A Daily News Magazine
इंदौर
बुधवार, 9 अप्रैल, 2025

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 179, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

प्रसंगवश

क्या 2030 तक अपनी गलतियों से सीखने लगेगी एआई?

चंद्र भूषण

खोजों की टाइमलाइन को लेकर पूर्वानुमान लगाने से वैज्ञानिक अभी बचने लगे हैं। कारण यह कि न्यूक्लियर फ्यूजन और 'रूम टेंपरेचर सुपर कंडक्टिविटी' जैसी कुछ पूर्वघोषित परियोजनाएं दिनोंदिन आगे ही टलती जा रही हैं, जबकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे कुछेक क्षेत्रों में तरक्की की रफ्तार अचानक तेज हो गई है। यही वजह है कि डीपमाइंड, गूगल की सबसे ताकतवर एआई ने हाल में 145 पेज के अपने एक शोधपत्र में भविष्यवाणी की है कि 2030 आते-आते आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस का कोई न कोई रूप अस्तित्व में आ जाएगा।

आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस (एजीआई), यानी एआई का वह रूप, जिसमें बोध (परसेप्शन) का गुण हो और जिसमें अपनी गलतियों से सीखने की क्षमता मौजूद हो। ये दोनों बातें बहुत सरल लगती हैं। गिर-गिरकर चलना सीख लेने वाले छोटे-छोटे बच्चों से लेकर अपने माहौल को समझ कर सर्वाइवल के लिए एक ही गलती बार-बार न करने की सलाहियत कीड़ों-मकोड़ों तक में मौजूद होती है।

लेकिन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में दूसरी अपार क्षमताएं मौजूद होने के बावजूद ये दोनों गुण या तो सिरे से नहीं होते, या बहुत थोड़ी मात्रा में मौजूद होते हैं। जैसे, किसी को लग सकता है कि चैटजीपीटी को उसके किसी गलत जवाब पर टोका जाए तो माफी मांगकर वह सही जवाब भी ढूंढ लाता है। इस प्रक्रिया के साथ कुछ बड़ी समस्याएं हैं, जिनपर आगे बात होगी। फिर भी यह एजीआई के रास्ते में है।

सैद्धांतिक रूप से एआई के तीन चरणों की कल्पना की गई है। आर्टिफिशियल नैरो इंडेलिजेंस (एएनआई), आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस (एजीआई), और आर्टिफिशियल सुपर इंटेलिजेंस (एएसआई)। अभी जितने भी तरह के एआई के बारे में हम जानते हैं, वह सब एएनआई के स्तर की ही हैं। इसमें कंप्यूटर को एक बड़े डेटाबेस में कोई पैटर्न पकड़ने का काम सिखाया जाता है।

भीड़ में एक चेहरा पहचानने से लेकर उंगली के निशान से हाजिरी लगाने तक, या आवाज पहचान कर कोई गाना बजा देने से लेकर सिनेमा या हवाई जहाज का टिकट बुक करने तक सारे काम इसी श्रेणी में आते हैं। लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) अलबत्ता एएनआई में ही थोड़ा आगे बढ़ी हुई चीज है, जिसने जेमिनी, कोपायलट और मेटाएआई जैसे अपने प्रॉडक्ट्स से इस क्षेत्र में असाधारण सनसनी पैदा की है।

इसमें शब्दों के बहुत बड़े डेटाबेस में पैटर्न पकड़ने के लिए आर्टिफिशियल न्यूरल नेटवर्क का इस्तेमाल किया जाता है। शुरू में यह सिर्फ शब्दों के आगे शब्द जोड़कर कुछ आमफहम अभिव्यक्तियों की रचना करने की कसरत हुआ करती थ। लेकिन 2015 में उभरी कंपनी ओपेनएआई की कोशिशों से यह तकनीक अभी उच्च स्तरीय रिसर्च तक में सहायक सिद्ध होने लगी है।

आगे दुनिया की कई नई-पुरानी कंपनियों का प्रवेश इस क्षेत्र में हुआ और अभी न केवल विविध कलारूपों में इसका दखल देखने को मिल रहा है, बल्कि विज्ञान की लगभग हर शाखा की रफ्तार इसकी मदद से बहुत बढ़ गई है। कंप्यूटर वैज्ञानिकों के बीच बहस है कि क्या एलएलएम को एजीआई का ही शुरुआती रूप मान लिया जाना चाहिए? कुछ वैज्ञानिक इस राय को सिरे से खारिज कर रहे हैं और उनकी दलील एक ही है।

कोई बच्चा बड़ा होने के लिए, जिंदगी का सही-गलत समझने के लिए, दुनिया की सामान्य समझदारी हासिल करने के लिए कदम-कदम पर छोटी-बड़ी ठोकरें खाने का रास्ता अपनाता है। 17 लाख करोड़ सूचनाओं का सहारा लेने की तो वह कल्पना भी नहीं करता, जो अभी से एक पीढ़ी पहले वाले चैटजीपीटी 3.5 का डेटाबेस हुआ करता था! न्यूरॉन कोशिकाओं की तादाद भी किसी प्रौढ़ इंसानी दिमाग में इसके हजारवें हिस्से जितनी ही हुआ करती है।

जाहिर है, एलएलएम अपने परिणाम में भले ही इंसानी अक्ल जैसा जान पड़ता हो, लेकिन अपनी कार्यप्रणाली में वह सामान्य बुद्धि, जनरल इंटेलिजेंस से कमतर है। अपनी गलतियां वह आम तौर पर दुरुस्त कर ही लेता है, लेकिन इसके लिए उसको एक रास्ता छोड़कर दूसरा रास्ता पकड़ते हुए डेटाबेस में और ज्यादा गहराई तक घुसना होता है। एजीआई की तरफ ऐसे कदमताल के कुछ अलग खतरे भी हैं।

लार्ज लैंग्वेज मॉडल के कई प्रॉडक्ट आपसी होड़ में उतरे हुए हैं। इसमें आगे चलकर एजीआई का कोई ऐसा मॉडल भी कारगर हो सकता है, जो किसी सिनेमा या एयरलाइंस के टिकट का जुगाड़ करने के लिए बोलने पर किसी और व्यक्ति को पहले से मिला हुआ टिकट काटकर उसकी जगह आपका नाम डलवा दे। मामले का निपटारा जब होगा तब होगा, लेकिन व्यवस्था उसी पल टूट जाएगी।

इसलिए आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस के लिए कोई ऐसी राह पकड़ना ज्यादा बेहतर रहेगा, जिसमें स्थिति को सीधे समझने का गुण हो। इसके लिए बहुत ज्यादा डेटाबेस उसे न खंगालना पड़े। और अपनी गलतियां सुधारने तथा उनसे सीख लेने की बात उसकी प्रकृति में ही हो। इसके लिए हर बार इंसानी हस्तक्षेप की जरूरत उसको न पड़े।

जाहिर है, इस तरह के किसी एजीआई की भविष्यवाणी गूगल डीपमाइंड ने नहीं की है। उसका आकलन एलएलएम के जारी विकास पर ही टिका है और उसके पेपर में इस तरह बन रही एजीआई के खतरे भी गिनाए गए हैं। लेकिन एलएलएम का एक रास्ता क्वांटम कंप्यूटर्स से भी होकर भी जाता है और उससे एजीआई की शक्ल बदल सकती है।

हम जानते हैं कि क्वांटम कंप्यूटर्स के काम करने का तरीका अलग होता है। उनमें इंसानी दिमाग की तरह एक समस्या को एक साथ कई दिशाओं से टैकल करने की क्षमता मौजूद होती है। बहुत बड़े डेटाबेस को मथने पर आए गलत नतीजे को छोड़कर सही नतीजे की ओर जाने के बजाय यह सीधे पॉइंट पर आने का तरीका ढूंढ सकता है।

ऊपर हमने एआई के जिन तीन चरणों की बात की थी, उनमें एएनआई यानी आर्टिफिशियल नैरो इंटेलिजेंस के करिश्मे हम आगे भी देखेंगे। दूसरे आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस की तरफ हम तेजी से बढ़ रहे हैं लेकिन उसके कोर्स करेक्शन की जरूरत अभी शिद्दत से महसूस की जा रही है। इसका एक खाका गूगल डीपमाइंड ने अपने रिसर्च पेपर में खींच रखा है। तीसरे, आर्टिफिशियल सुपर इंटेलिजेंस अभी कल्पना के दायरे में है, लेकिन इसे एक आदर्श बुद्धि की तरह देखा जा रहा है, जो इंसानी मेधा से ऊपर की चीज हो।

इसके बारे में कई उपन्यास आ चुके हैं और चर्चित इजराइली बुद्धिजीवी युवाल नोआ हरारी अपनी किताब 'होमो डिअस' में इसे आगे रखकर मानवजाति के लिए एक बड़ा निष्कर्ष भी निकाल चुके हैं। कंप्यूटर साइंटिस्ट इसको कम से कम एक सदी आगे की चीज बता रहे हैं, लेकिन अगले दस वर्षों में क्वांटम कंप्यूटर्स का इस्तेमाल न्यूरल नेटवर्क में होने के साथ इसकी कुछ झलक जरूर मिलने लगेगी।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

महिलाएं जल्दी चुका देती हैं कर्ज, पीएम ने जताया आभार

● मुद्रा योजना के लाभार्थियों का मोदी ने घर में किया स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अपने 7 लोककल्याण मार्ग स्थित आवास पर मुद्रा योजना के लाभार्थियों से मुलाकात की। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने उनका स्वागत और सम्मान किया। उन्होंने मुद्रा योजना के लाभार्थियों से करीब आधे घंटे तक बात भी की और उनके अनुभवों को जाना। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि मुद्रा योजना के तहत 33 लाख करोड़ रुपये का गारंटी-मुक्त ऋण दिया गया है। उन्होंने कहा कि ऋण लेने वाले इन 52 करोड़ लोगों में अधिकतर लाभार्थी महिलाएं हैं और दिलचस्प बात यह है कि वे अपने मुद्रा ऋणों का भुगतान जल्द कर देती हैं। उन्होंने कहा, 'मैं आप सभी लोगों को धन्यवाद देता हूं कि आप हमारे आवास पर आए। हमारे शास्त्रों में कहा गया कि मेहमान आते हैं तो आपका घर पवित्र होता है। इसलिए मैं आप सभी का स्वागत करता हूं।'लाभार्थियों से बात करते हुए पीएम

मोदी ने कहा कि यह योजना किसी भी सरकार की आंख खोलने वाली है। कैसे इससे आम लोगों को लाभ हुआ और वे अपने पैरों पर खड़े हुए, यह अहम बात है। उन्होंने कहा, आप अखबारों में पढ़ते हैं कि यह अमीरों की सरकार है। यदि आप सभी सभी अमीरों का आंकड़ा निकालें तो उन्हें 33 लाख करोड़ रुपये नहीं मिले होंगे।

यह रकम देश के आम लोगों को दी गई है। आज भारत के युवा और आंत्रप्रेन्योर स्किल दिखाने वालों को थोड़ी भी मदद मिलती है तो वे बड़े नतीजे देते हैं। यह मुद्रा योजना सरकार की आंख खोलने वाली है। इस स्कीम से बड़ी संख्या में महिलाएं आगे आई हैं। वे आत्मनिर्भर बनी हैं और उन्होंने कारोबार खड़ा किया है। दिलचस्प बात है कि लिए हुए लोन को वापस करने में भी वे आगे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि यह योजना मोदी की प्रशंसा के लिए नहीं है। इस स्कीम ने युवाओं को साहस दिया है कि वे अपने पैरों पर खड़े हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज जिन लाभार्थियों से मैं बात कर रहा हूं, उन्होंने न सिर्फ खुद को खड़ा किया बल्कि 1 या 2 लोगों को रोजगार भी दिया।

विधानसभा का गला न दबाएं जनता चुनती है एमएलए

● प्रदेश के राज्यपालों को सुप्रीम कोर्ट ने दी सख्त नसीहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के राज्यपाल टीएन रवि और सीएम एमके स्टालिन के बीच मतभेद की खबरें अक्सर आती रहती हैं। राज्यपाल ने पिछले दिनों विधानसभा की ओर से मंजूर 10 विधेयकों को रोक लिया था। उन पर कोई फैसला नहीं लिया गया था, जबकि उन्हें एक बार लौटाने के बाद फिर से पारित करके भेजा गया था। यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो अदालत ने गवर्नर टीएन रवि को नसीहत दी और कहा कि आपके पास ऐसी कोई वीटो पावर नहीं है कि बिल को रोके रखें। यही नहीं अदालत ने कहा कि भले ही संविधान में समयसीमा का जिक्र नहीं है, लेकिन राज्यपाल अनंतकाल के लिए तो विधेयकों को अटका कर नहीं रख सकते। यही नहीं अदालत ने लोकतंत्र और विधायकों को जनता द्वारा चुने जाने की भी दुहाई दी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने कहा कि आजकल ऐसे मामले बढ़ रहे हैं, जब गवर्नर बिलों को रोक लेते हैं। ऐसा करना गलत है और यह विधानसभा का गला दबाने जैसा है। कोर्ट ने कहा राज्यपालों को यह विचार करना चाहिए कि वे किसी विधेयक के रास्ते में बाधा न बनें। ऐसा करना विधानसभा का गला दबाने जैसा होगा। राजनीतिक कारणों से विधानसभा से पारित विधेयकों को रोके रखना ठीक नहीं है। विधानसभा के सदस्यों को जनता के द्वारा चुना जाता है। लोकतंत्र की प्रक्रिया के तहत चुनाव होता है और जनता की अभिव्यक्ति के माध्यम से कोई विधायक बनता है। वे जनता के हितों की पूर्ति के लिए प्राथमिक तौर पर जिम्मेदार होते हैं।

पीपीपी मॉडल पर खुलेंगे मेडिकल कॉलेज

कैबिनेट का निर्णय, जिला अस्पताल से अटैच होंगे, प्रदेश सरकार रखेगी नियंत्रण

भोपाल। मध्यप्रदेश में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे। सरकार इनके लिए 1 रुपए भू-भाटक पर 25 एकड़ जमीन उपलब्ध कराएगी। फिलहाल निजी मेडिकल कॉलेज के लिए निवेशक को खुद जमीन अरेंज करनी पड़ती है। इसके लिए टेंडर डॉक्यूमेंट नियम में संशोधन किया गया था। ये निर्णय मंगलवार को मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। इसके जरिए कैबिनेट ने जिला अस्पतालों को प्राइवेट डेवलपर को देने का फैसला भी पलट दिया है। प्रदेश में 25 गाय या भैंस रखने वालों को अनुदान दिया जाएगा। एक व्यक्ति 200 गाय या भैंसें पालकर दूध का उत्पादन कर सकेगा। इसके अलावा पशु आहार अनुदान 20 रुपए से बढ़ाकर 40 रुपए किया गया है। मुख्यमंत्री पशुपालन विकास योजना का नाम अब डॉ. भीमराव अंबेडकर दुग्ध उत्पादन योजना होगा। योजना 14 अप्रैल को लॉन्च की जाएगी।

कमेटी में होंगे जिला अस्पताल के भी प्रतिनिधि- डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने कहा- जिला अस्पतालों को प्राइवेट डेवलपर को ट्रांसफर करने का पुरानी सरकार का फैसला पलटा है। पहले इसमें डेवलपर को अस्पताल सौंपने का प्रावधान किया गया था। अब जिला अस्पतालों पर सरकार का ही नियंत्रण रहेगा। शुक्ल ने बताया कि अब निजी मेडिकल कॉलेजों को डेवलपर से संबद्ध किया जाएगा। इसके लिए एक कमेटी बनेगी, जिसमें जिला अस्पताल के प्रतिनिधि भी होंगे। इन अस्पतालों में 75 प्रतिशत तक निःशुल्क इलाज की सुविधा आयुष्मान कार्डधारकों को मिलेगी। डिप्टी सीएम शुक्ल ने बताया- बैठक में पशुपालन विभाग के माध्यम से गौशालाओं के निर्माण के साथ आहार अनुदान 40 रुपए करने का फैसला किया गया है। पहले यह 20 रुपए था। गौवंश विहार के लिए पीपीपी मोड पर निवेशकों को आमंत्रित करने नई पॉलिसी को मंजूरी दी गई है। वहीं, पशुपालन मंत्री लखन पटेल ने कहा कि पांच हजार गौवंश रखने के लिए पीपीपी मॉडल तैयार कर रहे हैं, जिसके लिए बिडिंग होगी। इसमें निवेशक सीएनजी, सोलर और अन्य उत्पादन भी कर सकेंगे। निवेशक से पूछेंगे कि वह कितने दिन तक योजना का लाभ लेंगे? इससे निराश्रित गौवंश को पालने में मदद मिलेगी। इसी साल इस पर काम शुरू करेंगे।

पशुपालन मंत्री पटेल ने बताया- डॉ. भीमराव अंबेडकर दुग्ध उत्पादन योजना में एक व्यक्ति को 25 गाय या भैंस पालने के लिए सरकार सब्सिडी देगी। आवेदक के पास कम से कम साढ़े तीन एकड़ जमीन होना जरूरी है।

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

धरती वही है और आसमान भी वही
इंसान, उसकी आरजू अरमान भी वही।
गीता उसे कंठस्थ, कुरआं उसको बरज़बां
पर वही रामू अभी रहमान भी वही।
आदमी क्या जान पाएगा कभी यह सच
है वही अल्लाह ओ भगवान भी वही।
कीजिए मुस्का के या रोकर के कीजिए
काम है मुश्किल वही आसान भी वही।
कल तलक रहता मकीं जो अब कहां गया
बामो-दर भी है वही मकान भी वही।
इंसान मे रहते हैं दो इंसान हमेशा
वो ही कभी फरिश्ता हैवान भी वही।
कैसी अदा है यार की आती समझ नहीं
सबसे करीब भी वही अंजान भी वही।

– दिनेश मालवीय 'अश्क'

अंतरिक्ष में जंग

भारत-चीन से दो-दो हाथ करने को तैयार

● भारत जल्द ही लेकर आने वाला है मिलिट्री स्पेस डॉक्ट्रिन ● अंतरिक्ष युद्ध के लिए भारत की नई नीति पर काम है जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत, चीन से दो दो हाथ करने के लिए तैयार है। भारत जल्द ही एक मिलिट्री स्पेस डॉक्ट्रिन लेकर आने वाला है। मिलिट्री स्पेस डॉक्ट्रिन एक आधिकारिक रणनीतिक रूपरेखा है जो यह बताती है कि कोई देश रक्षा और सैन्य अभियानों के लिए अंतरिक्ष का उपयोग कैसे करने की योजना बनाता है। यह सशस्त्र बलों, अंतरिक्ष एजेंसियों और रक्षा उद्योग के लिए एक मार्गदर्शक दस्तावेज के रूप में काम करता है। बहरहाल, मिलिट्री स्पेस डॉक्ट्रिन भविष्य के युद्धों में अहम भूमिका निभाने वाला है। यह बात चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने सोमवार को कही। उन्होंने यह भी कहा कि चीन बहुत तेजी से अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रहा है और सैटेलाइट्स को निष्क्रिय या नष्ट करने की क्षमता भी रखता है। जनरल अनिल चौहान ने कहा कि डिफेंस स्पेस एजेंसी, जो कि मुख्यालय इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ का हिस्सा है, संभवतः अगले दो से तीन महीनों में यह डॉक्ट्रिन जारी करेगी। उन्होंने कहा कि भारत को पृथ्वी की कक्षा पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, सैन्य क्षमताएं बढ़ानी चाहिए और इन परिसंपत्तियों को खतरों से सुरक्षित करना चाहिए। जनरल चौहान ने कहा, हम एक राष्ट्रीय सैन्य अंतरिक्ष नीति पर भी काम कर रहे हैं। जनरल अनिल चौहान यह बात इंडियन डिफस्पेस सिम्पोजियम 2025 के तीसरे संस्करण के उद्घाटन के दौरान कह रहे थे। भारत की अंतरिक्ष-आधारित संपत्तियों की रक्षा करना जरूरी है।

अंतरिक्ष क्षेत्र बना युद्ध का नया मैदान

जनरल चौहान ने कहा कि और आज हम एक ऐसे युग के मुहाने पर हैं, जहां अंतरिक्ष क्षेत्र युद्ध के एक नए मैदान के रूप में उभर रहा है, और यह युद्ध पर हावी होने जा रहा है। युद्ध के सभी तीन प्राथमिक तत्व (भूमि, समुद्र, वायु) अंतरिक्ष पर निर्भर होंगे। इसलिए, जब हम कहते हैं कि अंतरिक्ष का इन तीन तत्वों पर प्रभाव पड़ने वाला है, तो यह महत्वपूर्ण है कि हम अंतरिक्ष को समझें। यह भविष्य में युद्ध की बुनियादी संरचना का निर्माण करने जा रहा है। जनरल अनिल चौहान ने भारत को वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में स्थापित करने की अपील की। उन्होंने कहा, इसरो और निजी उद्योग के साथ साझेदारी में इसरो के लिए सैटेलाइट्स लॉन्च करने जैसी पहलें चल रही हैं। पिछले नवंबर में एजेंसी ने अंतरिक्ष अभ्यास 2024 नाम से तीन दिवसीय युद्धाभ्यास किया था, जिसका मकसद अंतरिक्ष-आधारित परिसंपत्तियों से उत्पन्न और उनके खिलाफ बढ़ते खतरों का पूर्वाभ्यास करना था।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 22 °c
न्यूनतम 16°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ बुधवार, 9 अप्रैल 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

वक्फ बिल पर पलटीमार पॉलिटिक्स से बीजेडी में रार

● निशाने पर वीके पांडियन, नवीन पटनायक के लिए होगी मुश्किल

भुवनेश्वर (एजेंसी)। राज्यसभा में वक्फ बिल पर वोटिंग के बाद बीजू जनता दल (बीजेडी) में भी विवाद गहरा गया है। करीब 23 साल बाद एक बार फिर पार्टी के नेताओं ने नवीन पटनायक के नेतृत्व पर सवाल खड़े किए हैं। नाराज नेताओं का मानना है कि पर्दे के पीछे नवीन पटनायक के सलाहकार वीके पांडियन ने व्हिप जारी नहीं करने का फैसला कराया। उनका मानना है कि विधानसभा चुनाव में हार के बाद

पांडियन ने राजनीति से संन्यास ले लिया, मगर आज भी पार्टी के फैसले ले रहे हैं। इस उथल-पुथल के बीच सबकी नजरें नवीन पटनायक पर टिकी हैं, जिन्होंने इस पूरे प्रकरण में जांच का भरोसा दिया है। राज्यसभा में पिछले गुरुवार को वक्फ संशोधन बिल पर चर्चा के बाद मतदान हुआ। नवीन पटनायक और बीजू जनता दल के नेताओं ने बार-बार वक्फ विधेयक का विरोध किया था, मगर वोटिंग से पहले पार्टी ने यू-टर्न लिया। फ्लोर लीडर सस्मित पात्रा ने बताया कि पार्टी कोई व्हिप जारी नहीं करेगी, विपक्ष हैरान रह गया।

बांग्लादेश से लगी सीमा के पास मिला संदिग्ध ड्रोन

● पूवोत्तर इलाकों में मचा हड़कंप, जांच में जुटी बीएसएफ और पुलिस

अगरतला (एजेंसी)। त्रिपुरा के दक्षिण जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास एक गांव में ड्रोन मिलने से हड़कंप मच गया। इस घटना ने स्थानीय लोगों और प्रशासन के बीच चिंता पैदा कर दी है। यह ड्रोन सोमवार सुबह बेलोनिया उपखंड के बल्लमुखा गांव में धान के खेत में पाया गया, जो सीमा पर तारबंदी से लगभग 300 मीटर अंदर भारतीय क्षेत्र में स्थित है। इस घटना की जानकारी सबसे पहले एक स्थानीय किसान ने दी, जिसने ड्रोन को देखा और तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस और सीमा सुरक्षा बल ने

मौके पर पहुंचकर ड्रोन को अपने कब्जे में ले लिया। अब इसके निर्माण और उद्देश्य की जानकारी हासिल की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से उन्होंने एक ड्रोन को सीमा क्षेत्र में उड़ते हुए देखा था, जो संभवत: बांग्लादेश की ओर से आ रहा था और हवाई सर्वे करता मालूम पड़ रहा था। उनका मानना है कि यह वही ड्रोन हो सकता है जो अब बरामद हुआ है। यह ड्रोन एक कैमरे से लैस था, जिससे संदेह और गहरा हो गया है कि इसका इस्तेमाल जासूसी गतिविधियों के लिए किया जा सकता था।

कांग्रेस का 84वां अधिवेशन अहमदाबाद में हुई मीटिंग

● राहुल और सोनिया गांधी पहुंचे, लेकिन प्रियंका मौजूद नहीं

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के अहमदाबाद में कांग्रेस का 84वां अधिवेशन हो रहा है। यह दो दिन (8 और 9 अप्रैल) चलेगा। मंगलवार को पहले दिन कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक चार घंटे चली। मीटिंग के बाद कार्यसमिति के सभी सदस्यों को पटेल अ लाइफ नाम की पुस्तक दी गई। इसके बाद सरदार स्मारक के बाहर नेताओं का फोटो सत्र आयोजित किया गया। पार्टी प्रवक्ता जयराम रमेश ने कहा कि आज अधिवेशन में 158 सदस्य मौजूद थे। आज सरदार पटेल पर विशेष चर्चा हुई और प्रस्ताव पास हुआ। गुजरात में अधिवेशन होना ही विशेष है। सरदार पटेल की

150वीं जयंती पर बैठक हो रही है। पटेल और जवाहरलाल नेहरू आधुनिक भारत के निर्माता थे। इन दोनों के बीच कोई रिश्ता नहीं होने का दावा करने वाले झूठ बोल रहे हैं। मीटिंग में सरदार वल्लभभाई पटेल को लेकर एक विशेष प्रस्ताव पास किया गया है। कल दो दो मुद्दों पर चर्चा होगी। हमारे प्रस्ताव से मालूम होगा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू और सरदार पटेल के बीच कैसे रिश्ते थे। इन्होंने गांधीजी के नेतृत्व में आजादी की लड़ाई लड़ी और बाद में भारत की नींव रखी। आज किसानों की बातें नहीं सुनी जा रही हैं। ये सरदार पटेल की अवमानना है। उन्होंने यह भी कहा कि आज गांधीवादी संस्थाओं पर हमले हो रहे हैं। केसी वेणुगोपाल ने कहा ऐतिहासिक जगह पर मीटिंग की है।

टैरिफ के बीच एक और झटका देगी ट्रंप सरकार

● यूएस में 3 लाख भारतीय छात्रों पर पड़ेगा असर

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका से ऐसी खबर सामने आई है जिसने करीब 3 लाख भारतीय छात्रों को चिंता में डाल दिया है। दरअसल, यूएस में एक नया बिल पेश किया गया है जिसमें अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग ऑप्शन को खत्म करने का प्रस्ताव है। यह सुविधा वर्तमान में साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथमेटिक्स के छात्रों को मिलती है, जिससे वे अपनी पढ़ाई पूरी होने के बाद अमेरिका में 3 साल तक रहकर काम कर सकते हैं। अगर यह विधेयक पास हो जाता है तो छात्रों को पढ़ाई खत्म करने के तुरंत बाद देश छोड़ना होगा, जब तक कि वे

एच-1 बी वीजा हासिल नहीं कर लेते। यह फैसला ऐसे समय लिया जा रहा है जब ट्रंप सरकार की टैरिफ नीतियों के चलते कई देशों को तगड़ा झटका लगा है। इंडियन स्टूडेंट्स अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय छात्रों की सबसे बड़ी आबादी का हिस्सा हैं। ओपन डोर्स रिपोर्ट के अनुसार, 2023-24 में यूएस में 11 लाख अंतरराष्ट्रीय छात्रों में से 3.31 लाख भारतीय थे। ये छात्र मुख्य रूप से कोर्सेस में पढ़ाई करते हैं और एजेंसी के जरिए प्रोफेशनल अनुभव हासिल करते हैं। इससे वीजा पाने के लिए उनकी दावेदारी मजबूत हो जाती है। अब नए बदलाव से उनके करियर पर गहरा असर पड़ेगा।

प्रणाम उस जन्मभूमि को जिसने मुझे संस्कारित किया: श्रीधरजी

बोहानी। बोहानी वह संस्कार भूमि है, जिसने मेरे जैसे हजारों लोगों को संस्कारित किया है। केवल बोहानी ही नहीं, पूरे इलाके का हर वह व्यक्ति मालक दादा चौधरी राघव सिंह का ऋणी है, जिसने उनकी महान दानवीरता के स्मारक विद्यालय में शिक्षा पाई है। मैं अपनी जन्मभूमि को सादर नमन करता हूं।

उक्त उद्गार पद्मश्री विजय दत्त श्रीधर ने यहां आयोजित उनके सम्मान समारोह के दौरान व्यक्त किए। सम्मान समारोह का आयोजन श्रीधरजी को हिंदी जगत के सर्वोच्च सम्मान %साहित्य वाचस्पति% की उपाधि से अलंकृत होने के उपलक्ष में किया गया था। विद्यार्थियों की जिज्ञासा को देखते हुए श्रीधरजी ने पत्रकारिता के अपने दीर्घ अनुभवों को साझा

किया।

पौराणिक संदर्भों का हवाला देते हुए श्रीधरजी ने कहा कि देवर्षि नारद को खबरों का आदि संचारक कहा जाता है। लेकिन यह ध्यान रखे कि संचारक के मन में हमेशा लोकमंगल का भाव होना चाहिए, जो नारदजी में था। महाभारत के संजय का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि संजय पल-पल की सूचनाएं अपने स्वामी को दे रहे थे, लेकिन सीखने की बात यह है कि इन सूचनाओं में उन्होंने अपनी तरफ से कोई मिलावट नहीं की। सूचनाओं का संप्रेषण उन्होंने जस का तस किया। सूचना क्रांति के आज के दौर के खतरों के प्रति आगाह करते हुए उन्होंने कहा कि सूचना एकत्रित करते समय अत्यंत सावधानी रखी जानी चाहिए। सोशल मीडिया पर प्रसारित हर जानकारी सही हो, यह जरूरी नहीं है। किताबों की सर्वकालिक उपयोगिता प्रतिपादित करते हुए उन्होंने कहा कि ज्ञान का सर्वश्रेष्ठ माध्यम हमेशा से किताबें ही रही हैं, और आगे भी रहेंगी।

इस अवसर पर ख्यात पर्यावरणविद् डॉ अनंत दुबे ने विद्यार्थियों को पर्यावरण प्रदूषण के खतरों के प्रति आगाह किया। उन्होंने उन छोटे-छोटे कार्यों का उल्लेख किया जो विद्यार्थी पर्यावरण संरक्षण के लिए सहज ही कर सकते हैं। इसके पूर्व पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय, बोहनी के प्राचार्य डॉ. तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया एवं विद्यालय की गतिविधियों की जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गई। ग्राम बोहानी की सरपंच श्रीमती किरण शर्मा ने आभार प्रदर्शित किया।

● जेके दौरे का तीसरा दिन

गृहमंत्री शाह ने राजभवन में की सीएम-एलजी के साथ बैठक

● बड़े अधिकारी भी रहे शामिल, सुरक्षा को लेकर हुई चर्चा ● घाटी में अलगाववादी हुर्रियत से तीन संगठन हुए अलग

श्रीनगर (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तीन दिनों के जम्मू-कश्मीर दौरे पर हैं। मंगलवार को दौरे के तीसरे और आखिरी दिन शाह ने श्रीनगर स्थित राजभवन में उच्च स्तरीय बैठक की। इसमें अधिकारियों ने उन्हें प्रदेश में चल रही विकास कार्यों की बारे में जानकारी दी। साथ ही कानून-व्यवस्था और सुरक्षा पर भी चर्चा हुई। बैठक में सीएम उमर अब्दुल्ला, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा समेत कई अधिकारी मौजूद रहे। इधर, शाह के दौरे के बीच जम्मू-कश्मीर के अलगाववादी संगठन हुर्रियत कॉन्फ्रेंस से जुड़े तीन संगठनों ने सोमवार को खुद को अलग कर लिया है। इन संगठनों में जम्मू कश्मीर इस्लामिक पॉलिटिकल पार्टी, जम्मू एंड कश्मीर मुस्लिम डेमोक्रेटिक लीग, और कश्मीर फ्रीडम फ्रंट शामिल हैं। इस पर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- यह कश्मीर घाटी में भारत के संविधान पर जनता के बढ़ते विश्वास का प्रतीक है। अब तक 11 संगठन हुर्रियत से नाता तोड़ चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी के एकजुट और शक्तिशाली भारत के दृष्टिकोण को आज और अधिक बल मिला है। सोमवार को दौरे के दूसरे दिन शाह कठुआ में

बीएसएफ की चौकी गए। जहां उन्होंने मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था और हालात का जायजा लिया। फिर शहीदों के परिवारों से राजभवन में मिले और अनुकंपा नियुक्ति पत्र भी बांटे। इससे पहले 6 अप्रैल (रविवार) को पहले दिन शाह ने बीजेपी विधायकों और पदाधिकारियों के साथ बैठक की। यह बैठक करीब दो घंटे तक चली। इस दौरान गृह मंत्री ने कहा- जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा हमारी नीति का हिस्सा है और इसे उचित समय पर बहाल किया जाएगा। बता दें कि राज्य में नई सरकार बनने के बाद अमित शाह का यह पहला दौरा है। शाह बोले- कुछ ही सालों में जवान टेक्नोलॉजी से लैस हो जाएंगे अमित शाह ने सोमवार को सीमा सुरक्षा बल के जवानों के साथ बातचीत में कहा-कुछ ही सालों में पूरी भारत-पाक सीमा पर जवान तकनीक से लैस होंगे।

कांग्रेस-जिला उपाध्यक्ष ने कार से 9 को कुचला

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में तेज रफ्तार एसयूवी कार ने सोमवार रात सड़कों पर कोहराम मचा दिया। आरोपी ड्राइवर कांग्रेस का जिला उपाध्यक्ष उस्मान खान था। जिसे मंगलवार सुबह पार्टी ने पद से हटा दिया। आरोपी ने शहर के भीड़ भरे इलाके में 7 किलोमीटर तक एसयूवी दौड़ाते हुए 9 लोगों को कुचल दिया। घटना में भाई-बहन सहित 3 लोगों की मौत हो गई।

वहीं, 6 लोग अब भी गंभीर घायल हैं। पुलिस के अनुसार सबसे पहले शहर की एमआई रोड पर कार के वाहनों को टक्कर मारने की जानकारी मिली थी। इसके बाद कार शहर की तंग गलियों में घुस गई। यहां लोगों को टक्कर मारने के बाद कार एक तंग गली में फंसी तो आरोपी को पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से पकड़ लिया। मंगलवार सुबह से लोग नाहरगढ़ थाने के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। वे मृतकों के लिए मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

● 3 की मौत, शराब के नशे में 7 किमी तक दौड़ाता रहा

● गलियों में फंसा तो पकड़ा गया, लोगों ने लगाया जाम

एडिशनल डीएसपी (नॉर्थ) बजरंग सिंह शेखावत ने बताया कि आरोपी ड्राइवर उस्मान खान (62) ने सबसे ज्यादा टक्कर करीब 500 मीटर के एरिया में मारी है।

दिवंगत मनोज कुमार की पत्नी को पीएम मोदी ने लिखी चिट्ठी

● प्रधानमंत्री ने लिखा-उनके साथ हुई मुलाकातें और बातें याद रहेंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर मनोज कुमार अब हमारे बीच नहीं हैं। बीते शुक्रवार, 4 अप्रैल को मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में कार्डियोजेनिक शॉक के कारण उनका निधन हो गया। सिनेमा के 'भारत कुमार' के इस तरह चले जाने पर जहां पूरा देश उन्हें श्रद्धांजलि दे रहा है, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दिवंगत एक्टर की पत्नी शशि गोस्वामी को एक चिट्ठी लिखकर अपनी संवेदनाएं जाहिर की हैं। अपने पत्र में प्रधानमंत्री ने मनोज कुमार की सिनेमाई विरासत को याद करते हुए उनसे हुई मुलाकातों और बातों का जिक्र किया है। पीएम

मोदी ने लिखा है कि वह उन मुलाकातों और बातों को हमेशा याद रखेंगे। सोमवार, 7 अप्रैल को लिखी गई इस चिट्ठी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं, श्री मनोज कुमार जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं परिवार व शुभचिंतकों के साथ हैं। दिग्गज अभिनेता और फिल्मकार मनोज कुमार जी ने अपनी फिल्मों के माध्यम से भारत के गौरव को प्रभावशाली ढंग से दर्शाया।

बिहार में राहुल गांधी ने पकड़ ली लालू वाली ट्रेन !

● *ताबड़तोड़ दिल्ली-पटना ट्रिप से तेजस्वी यादव भी हैं हैरान* ● *पार्टी को सता रहा जमा-जमाया 'बेस' गड़बड़ाने का खतरा*

पटना (एजेंसी)। राहुल गांधी सोमवार को बिहार में थे। उनके तीन कार्यक्रम निर्धारित थे। उन्हें एनएसयूआई के बैनर तले कन्हैया कुमार की नौकरी दो, पलायन रोको यात्रा में शामिल होना था। इसलिए पटना एयरपोर्ट से सीधे वे बेगूसराय के लिए

निकल गए। कन्हैया की यात्रा बेगूसराय पहुंची थी। लौट कर राहुल गांधी संविधान बचाने को लेकर आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए। फिर पार्टी के प्रदेश कार्यालय सदाकत आश्रम में उन्होंने कांग्रेस के नेताओं-कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। तीन महीने में तीसरी बार पटना पहुंचे राहुल ने कुछ ऐसी बातें कह दी, जो कांग्रेस की कभी लाइन नहीं रही। राहुल का कहना था कि कांग्रेस अभी तक बिहार में गलतियां करती रही है। अब नहीं करेगी। उन्होंने इस परिमार्जन को सोदाहरण समझाया। कहा- पहले कांग्रेस के दो तिहाई अध्यक्ष सवर्ण होते थे। दलित और पिछड़ी जातियों के एक तिहाई लोगों को ही यह मौका मिलता था। अब स्थिति पलट गई है। दलित और ओबीसी-ईबीसी के दो तिहाई लोग अब जिला से प्रदेश स्तर तक अध्यक्ष हैं। उनकी बातों से इतना तो स्पष्ट हो ही गया है कि अब कांग्रेस की पोलिटिकल लाइन क्या होगी। हालांकि कांग्रेस ने कभी इस तरह की विभाजनकारी राजनीति को प्रश्रय नहीं दिया है। राहुल को अब जाकर यह महसूस हुआ है कि बिहार में कांग्रेस से चूक हुई है। दलित जाति से आने वाले राजेश कुमार को प्रदेश अध्यक्ष बना कर कांग्रेस ने गलती सुधारने का अभियान छेड़ दिया है।

● **कांग्रेस सवर्णों को दोयम दर्जे में रखेगी-** सवर्ण जातियों को अध्यक्ष बनाने को कांग्रेस की ग़लती बताने वाले राहुल ऐसा कहते समय यह भी भूल गए कि उनके खासमखास कन्हैया कुमार तो सवर्णों में शुमार भूमिहार जाति से आते हैं। उनकी अगवानी करने एयरपोर्ट पहुंचे पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह भी भूमिहार बिरादरी के ही हैं। राहुल को शायद ऐसा लगता होगा कि स्वर्ण तो भाजपा के साथ सट गए हैं। इसलिए अब उनसे कोई उम्मीद नहीं। पर, बिहार में कांग्रेस के जिन कुछ नेताओं ने अब तक जिंदा रखा है तो उनमें मदन मोहन झा और अखिलेश प्रसाद सिंह जैसे भी नेता हैं। राहुल ने पिछली दो यात्राओं में बिहार के जाति सर्वेक्षण को फर्जी बता कर तेजस्वी यादव की मुश्किलें बढ़ा दी थीं। तेजस्वी इसे अपनी उपलब्धि बताते रहे हैं। इस बार कांग्रेस को नया रूप देने के लिए उन्होंने दलित-पिछड़ों पर दांव लगाया। यानी वे भी उसी राह चलने की बात कह गए, जिस पर जातीय आधार पर बनीं क्षेत्रीय पार्टियां पहले से चल रही हैं। आरजेडी आज भी यादव जाति की राजनीति करती है। नीतिश कुमार लव-कुश समीकरण के नेता माने जाते हैं। चिराग पासवान और जीतन राम मांझी की पार्टियां भी जाति की ही राजनीति करती हैं। इनमें तीन तो अभी एनडीए के साथ हैं, इसलिए जातीय आधार पर वोट पाने की राहुल की कोशिश समझ में आती है।

दिसंबर से पहले कर्नाटक में सिद्धा की जगह नया सीएम

● डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के करीबी एमएलए का बड़ा दावा

बेंगलुरु (एजेंसी)। गुजरात में जहां एक तरफ कांग्रेस के तमाम बड़े नेता राष्ट्रीय अधिवेशन में व्यस्त हैं, वहीं कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के एक करीबी विधायक ने यह दावा कर सनसनी मचा दी है कि दिसंबर से पहले राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की जगह कोई

नया चेहरा ले लेगा। एक समाचार एजेंसी से बात करते हुए कर्नाटक कांग्रेस के विधायक बसवराजू शिवगंगा ने मंगलवार को दावा किया कि राज्य को दिसंबर से पहले एक नया मुख्यमंत्री मिल जाएगा। बसवराजू डीके शिवकुमार खेमे के एक प्रमुख नेता हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, जब कुर्सी खाली हो तो कोई भी मुख्यमंत्री बन सकता है। मैं पहले ही एक बार कह चुका हूं कि दिसंबर से पहले राज्य का सीएम बदल जाएगा। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद के लिए सतीश जारकीहोली के नाम को लेकर चल रही अटकलों पर शिवगंगा ने कहा कि इस पद पर किसी को भी नियुक्त किया जा सकता है।

इंदौर में घरों के बाहर बनाई सिलेंडर की रंगोली

कांग्रेस का अनोखा विरोध, लिखा- महंगाई की मार, मोदी सरकार

इंदौर। केंद्र सरकार द्वारा घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम 50 रुपए बढ़ाए जाने के विरोध में कांग्रेस सेवादल ने इंदौर में अनोखा प्रदर्शन किया। सेवादल के कार्यकारी अध्यक्ष विवेक खंडेलवाल ने अपने घर के बाहर सिलेंडर की रंगोली बनाकर विरोध जताया। रंगोली पर लिखा गया– महंगाई की मार, मोदी सरकार। खंडेलवाल ने कहा कि मोदी सरकार लगातार जनता को महंगाई की सौगात दे रही है। एक तरफ उज्ज्वला योजना के तहत रियायती गैस देने की बात की जाती है, दूसरी तरफ हर कुछ महीनों में दाम बढ़ाकर आमजन पर बोझ डाला जा रहा है।

महिलाओं के नाम पर योजना, लेकिन असल में महिला विरोधी फैसला– खंडेलवाल ने कहा– मोदी सरकार उज्ज्वला योजना के नाम पर बहनों को गैस देने की बात करती है, लेकिन हर बार 50-50 रुपए की बढ़ोतरी करके यह साबित कर देती है कि यह सरकार पूरी तरह से महिला विरोधी है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता अब इंदौर के हर मोहल्ले में घरों के बाहर सिलेंडर की रंगोली बनाकर विरोध जताएंगे, ताकि जनता को बताया जा सके कि सरकार वोट लेकर महंगाई और बेरोजगारी थमा रही है।

8 अप्रैल से लागू हुए नए रेट– घरेलू गैस सिलेंडर की नई कीमतें आज से लागू होंगी। इससे मध्यप्रदेश के प्रमुख शहरों में घरेलू एलपीजी महंगी हो जाएगी। प्रदेश के 5 बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में रू. 858, इंदौर में रू. 881, ग्वालियर में रू. 936, जबलपुर में रू. 859 और उज्जैन में रू. 912 में सिलेंडर मिलेगा। बता दें 8 मार्च 2024 को महिला दिवस पर मोदी सरकार ने सिलेंडर के दामों में 100 रुपए की कटौती की थी। लेकिन अब फिर से दाम बढ़ाकर जनता को झटका दिया गया है।

जनता को मिलने वाला लाभ छीना जा रहा है

कांग्रेस नेता ने कहा कि क्रूड ऑयल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में घटी हैं, लेकिन पेट्रोल-डीजल सस्ते नहीं किए जा रहे। इससे जनता को मिलने वाला फायदा भी सरकार छीन रही है। पिछले साल क्रूड ऑयल 86 डॉलर प्रति बैरल था, अब वह घटकर 60 डॉलर हो गया है। लेकिन इसका फायदा जनता को देने की बजाय मोदी सरकार एक्साइज ड्यूटी बढ़ाकर खुद कमा रही है।

– विवेक खंडेलवाल

पेट्रोलियम मंत्री का जवाब, कंपनियों को घाटा हो रहा

पेट्रोलियम मंत्री के अनुसार, ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को घाटा हो रहा था। लागत से कम कीमत पर सिलेंडर बेचने की वजह से कंपनियों को अब तक करीब 41,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। इसी को कम करने के लिए दाम बढ़ाए गए हैं।

इंदौर की होटल में युवती से दुष्कर्म

भोपाल से आए साथी पर कराई एफआईआर, नौकरी का झांसा देकर लाया था

इंदौर। विजयनगर क्षेत्र स्थित एक होटल में सोमवार शाम एक युवती ने 100 डायल कर पुलिस सहायता बुलाई। युवती ने आरोप लगाया कि उसे नौकरी का झांसा देकर भोपाल से इंदौर लाया गया और होटल के कमरे में उसके साथ दुष्कर्म किया गया। शिकायत पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में लिया और उसके विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के

अनुसार, युवती मूलतः भोपाल की निवासी है और वहां नौकरी की तलाश में थी। इसी दौरान उसकी पहचान धनसिंह रघुवंशी नामक व्यक्ति से हुई, जो भोपाल में रेस्टोरेंट व्यवसाय से जुड़ा है। आरोपी ने युवती को इंदौर में कॉल सेंटर में नौकरी दिलाने का झांसा दिया और इंटरव्यू के बहाने कार से भोपाल से इंदौर ले आया। युवती के अनुसार, दिनभर शहर में घुमाने के बाद आरोपी ने द पार्क होटल में रुकने का प्रस्ताव दिया और थोड़ी देर आराम करने की बात कहकर एक कमरा लिया। वहां उसने युवती को जूस पिलाया, जिससे उसे चक्कर आने लगे और वह बेहोश हो गई। होश में आने पर उसे महसूस हुआ कि उसके साथ दुष्कर्म किया गया है। जब युवती ने पुलिस को बुलाने की बात कही तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद युवती कमरे से बाहर निकलकर दरवाजा बंद कर दिया और 100 नंबर पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर थाने भेजा।

वक्ता बोले-वैकल्पिक मीडिया में निरंतरता जरूरी, तभी असीमित संभावना के आकाश खुलेंगे

इंदौर। इंदौर प्रेस क्लब के पत्रकारिता महोत्सव के दूसरे दिन सफल होते वैकल्पिक मीडिया विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। इस मौके पर लखनऊ से आए पत्रकार संजय शर्मा ने कहा कि वैकल्पिक मीडिया एक बड़ी ताकत है। खबरों में स्थानीयता और अच्छा कंटेंट उसे आगे ले जा रहा है। इस माध्यम में निरंतरता जरूरी है,तभी असीमित संभावनाओं के आकाश खुले रहेंगे। पत्रकार

भुवनेश सेंगर ने कहा कि वैकल्पिक मीडिया में मेहनत ज्यादा है। स्थापित होने में समय लगता है, लेकिन मेहनत का फल भी मिलता है। यूट्यूब चैनल ठीक ठाक चल जाए तो खर्च निकल सकता है। उन्होंने कहा कि वैकल्पिक मीडिया के कारण बड़े मीडिया संस्थानों के रेवेन्यू में कमी आई है। एआई आने के बाद मीडिया संस्थानों में नौकरियों के अवसर भी कम हो गए है। पत्रकार चंद्रभान सिंह ने कहा कि आपके कंटेंट में रोचकता होना चाहिए। ताकि पाठक को बांधा जा सके। वैकल्पिक मीडिया पर भरोसा जितना ज्यादा होगा, वह पाठक की उतनी बड़ी पसंद बनेगा। इससे ही पाठक भावनात्मक रूप से जुड़ता है।

दूसरे सत्र में फोटोग्राफी पर कार्यशाला आयोजित की गई। ख्यात फोटोग्राफर राजेश सिंह ने कहा कि फोटो जर्नलिस्ट की जिंदगी मनरेगा मजदूर जैसी होती है। जिस दिन अच्छा फोटो हो जाता है उस दिन फोटो जर्नलिस्ट हीरो होता है, लेकिन दूसरे दिन फिर उसकी शुरुआत जीरो से होती है। फोटोग्राफर के लिए फील्ड ही सबकुछ है। उन्होंने कहा कि फोटोग्राफर का प्रमोशन नहीं होता। वो जिंदगीभर फोटोग्राफर ही रहता है।

अमरनाथ यात्रा के लिए आज से स्वास्थ्य परीक्षण

इंदौर के 13 अस्पतालों में ब्लड टेस्ट, ईसीजी होगी, डॉक्टर मेडिकल हिस्ट्री भी पूछेंगे

इंदौर। 3 जुलाई से 9 अगस्त 2025 तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण 14 अप्रैल से शुरू होगा। इसके पहले यात्रा पर जाने वालों के स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। सीएमएचओ के मुताबिक इंदौर से जाने वालों का स्वास्थ्य परीक्षण बुधवार सुबह 9 बजे से

शुरू होगा। 13 से 70 साल की आयु वर्ग वालों को अमरनाथ यात्रा के लिए अनुमति रहेगी। इस बार यात्रा 38 दिनों की होगी, जो पिछले साल की तुलना में 14 दिन कम है। हिंदी पंचांग के अनुसार, अमरनाथ यात्रा हर साल स्कंद षष्ठी से आरंभ होती है। यात्रा का समापन श्रावण पूर्णिमा यानी रक्षाबंधन के दिन समापन होता है। इस अवधि में वहां का मौसम सुखद रहता है, इसलिए यात्रा संभव हो पाती है। साल के बाकी समय वहां बर्फ जमी रहने से यात्रा संभव नहीं हो पाती है।

यहां करा सकते हैं स्वास्थ्य परीक्षण

इंदौर शहर के साथ देपालपुर, सांवेर, महू, मानपुर और हातोद में मेडिकल फिटनेस किए जाएंगे। इंदौर शहर के लिए 8 अस्पतालों को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। गोविंद वल्लभ पंत जिला चिकित्सालय में डॉ. एसके वर्मा यात्रियों का मेडिकल परीक्षण करेंगे। इसके अलावा पीसी सेठी, हुकमचंद अस्पताल मल्हारगंज, संयोगितागंज, नंदानगर, एमवायएच, लाल अस्पताल पॉली क्लिनिक में स्वास्थ्य परीक्षण होगा।

अमरनाथ यात्रा के लिए मेडिकल टेस्ट

मेडिकल टेस्ट में शारीरिक परीक्षण, रक्त परीक्षण और इलेक्ट्रो कार्डियोग्राम (ईसीजी) जैसी जांचें शामिल हैं।

डॉक्टर यात्री की पुरानी बीमारियों (मेडिकल हिस्ट्री) के बारे में पूछताछ करते हैं। यात्रियों को मेडिकल सर्टिफ़िकेट दिया जाता है।

इंदौर में भाजपा 9 अप्रैल से घोषित करेगी मंडल कार्यकारिणी

50 प्रतिशत मंडलों ने नगर संगठन को नाम सौंपे, जातिगत-सामाजिक समीकरण का दिखेगा बैलेंस

इंदौर। इंदौर बीजेपी ने मंडल कार्यकारिणी गठन की प्रकिया तेज कर दी है। 9 अप्रैल से इसकी घोषणा होना शुरू हो जाएगी। बता दें कि इंदौर नगर संगठन ने मंडल अध्यक्षों को रामनवमी तक अपनी-अपनी कार्यकारिणी के नाम भाजपा कार्यालय पहुंचाने के निर्देश दिए थे। इंदौर में 35 मंडलों में से लगभग 18 मंडलों ने कार्यकारिणी के नाम नगर इकाई को सौंप दिए हैं। सूत्रों का कहना है कि बचे हुए मंडल भी बुधवार तक अपनी सूची नगर संगठन को सौंप देंगे। इंदौर बीजेपी नगर मीडिया प्रभारी रितेश तिवारी ने बताया कि रामनवमी तक सभी मंडलों से सूची मांगी गई थी। 50 प्रतिशत मंडलों ने अपनी सूची सौंप दी है। जल्द ही बाकी मंडलों से सूची आ जाएगी। जिन मंडलों से सूची आ गई है, उनका नगर संगठन बारीकी से निरीक्षण कर जातिगत और सामाजिक समीकरण बैठाने के बाद दो से तीन दिन में घोषणा करना शुरू कर देगा।

वहीं बीजेपी सूत्रों की मानें तो फिलहाल नगर संगठन का पूरा फोकस मंडल कार्यकारिणी पर ही है। 10 अप्रैल तक कार्यकारिणी घोषित करना है। यह सूची भोपाल भी भेजी जाना है। हालांकि इंदौर में सभी मंडलों की कार्यकारिणी घोषित होने में 25 अप्रैल तक का समय लग सकता है। बता दें कि मंडल कार्यकारिणी घोषित होने के बाद नगर पदाधिकारियों के नामों पर मंथन शुरू होगा।

कार्यकारिणी बनाने में मंडल अध्यक्ष की पसंद को तवज्जो

बीजेपी सूत्रों के अनुसार मंडल कार्यकारिणी का गठन करने में मंडल अध्यक्ष की पसंद को तवज्जो दी जाएगी। मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति या चयन में विधायकों की चलती है। हालांकि कार्यकारिणी के गठन में संगठन ने ऐसे किसी हस्तक्षेप से मना किया है। बताया जा रहा है कि जिन मंडलों से अभी तक सूची नहीं आ पाई है वहां पर विधायकों ने अपनी पंसद को पहले सूची में शामिल करने के लिए मंडल अध्यक्ष को कहा हुआ है।

कार्यकारिणी में महामंत्री पद को लेकर सबसे ज्यादा जोर आजमाइश

बीजेपी का हर नेता मंडल कार्यकारिणी में आना चाहता है और महामंत्री पद को लेकर अपना दावा जताता है। इसी को लेकर कुछ मंडलों में स्थिति गड़बड़ है। महामंत्री के दो ही पद रहते हैं। विधायक और बड़े नेता इन पदों पर अपने करीबियों को नियुक्त कराना चाहते हैं। मंडल अध्यक्ष पर नगर और प्रदेश के भी कई नेताओं का दबाव होता है। कार्यकारिणी बनाने में मंडल अध्यक्ष को सबको खुश रखना पड़ता है। क्षेत्रीय पार्षद के नामों को भी एडजस्ट करना होता है।

गुजरात की पटाखा फैक्ट्री के ठेकेदार को इंदौर से पकड़ा, मध्य प्रदेश से भेजता था मजदूरों को

इंदौर। हरीश ने ही गोदाम के लिए स्थल को उपयुक्त बताया था। हरीश पटाखा फैक्ट्री के लिए मजदूर उपलब्ध कराता था और आर्थिक लाभ कमाता था। वह देवास और हरदा जिले में जिन मजदूरों को पटाखे बनाने का अनुभव था, उन्हें वह गुजरात भेजता था। गुजरात के बनासकांठा में पटाखा फैक्ट्री के विस्फोट में पुलिस ने फैक्ट्री मालिक को तो पकड़ लिया है, लेकिन उन्हें ऐक ठेकेदार की भी तलाश थी। गुजरात पुलिस को पता चला था कि वह इंदौर के बिजलपुर क्षेत्र में रहता है। उसे गुजरात पुलिस ने इंदौर से गिरफ्तार किया। इसके लिए इंदौर पुलिस ने भी मदद की। आरोपी काम हरीश पिता रामचंद्र मेघवानी है। जब पटाखा फैक्टरी में विस्फोट हुआ था, तब वह इंदौर में ही था, लेकिन फैक्ट्री में हरीश ही मध्य प्रदेश से मजदूरों को भेजता था,जबकि उसे पता था कि फैक्ट्री अवैध है। हरीश ने ही गोदाम के लिए स्थल को उपयुक्त बताया था। हरीश बिजलपुर क्षेत्र के ट्रेजर टाउन टाउनशिप में रहता था। हरीश पटाखा फैक्ट्री के लिए मजदूर उपलब्ध कराता था और आर्थिक लाभ कमाता था। वह इंदौर में रहता था और देवास और हरदा जिले में जिन मजदूरों को पटाखे बनाने का अनुभव था, उन्हें वह गुजरात भेजता था। आपको बता दे कि गुजरात के बनासकांठा की पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट के कारण 21 लोग जान गंवा चुके है और कुछ घायल भी है। इस मामले में पुलिस फैक्ट्री मालिक खूबचंद मोहनानी और उसके बेटे दीपक को गिरफ्तार कर चुकी है। उनके पास पटाखे बेचने का लाइसेंस था, लेकिन उन्होंने अवैध फैक्ट्री खोलकर पटाखों का निर्माण शुरू कर दिया था।

अप्रैल में ही बरस रही आग, 40 डिग्री पार गया पारा, आगे क्या होगा

इंदौर। शहर में अप्रत्याशित गर्मी का असर दिखा, अप्रैल की शुरुआत में ही तापमान ने रिकॉर्ड तोड़े। सोमवार को सीजन और साल का पहला 40 डिग्री का तापमान दर्ज किया गया, जो पिछले सालों के आंकड़ों से काफी ऊपर था। शहर के इतिहास में शायद यह पहली बार है कि अप्रैल की शुरुआत इतनी गर्म रही है। सोमवार को सीजन और साल का पहला 40 डिग्री का तापमान रिकॉर्ड किया गया। आम तौर पर, अप्रैल में तापमान में बढ़ोतरी 15 अप्रैल के बाद देखने को मिलती है, लेकिन इस साल यह शुरुआती दिनों में ही महसूस हो रही है। सोमवार को दिन का तापमान 40.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा था। वहीं, रविवार को तापमान 39.8 डिग्री सेल्सियस था, जो सामान्य से 2 डिग्री अधिक था। रविवार की रात का तापमान भी 23 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा था। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

पिछले 10 सालों का रिकॉर्ड टूटा

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को रिकॉर्ड किया गया तापमान इस साल का सबसे अधिक था और पिछले 10 सालों में से दो सालों का रिकॉर्ड भी टूट गया। इनमें 2020 में 16 अप्रैल को 39.7 डिग्री सेल्सियस और 2023 में 17 अप्रैल को 39.6 डिग्री सेल्सियस तापमान शामिल है। हालांकि, 2019 में अप्रैल का सबसे अधिक तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस था, जो पिछले 10 सालों का रिकॉर्ड था। इस तरह, इस साल के तापमान ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

गर्मी से राहत की उम्मीद

मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि शहर में गुरुवार तक गर्मी बनी रहेगी और इस दौरान तापमान 41 डिग्री से भी अधिक हो सकता है। हालांकि, शुक्रवार से तापमान में गिरावट शुरू हो जाएगी, जिससे शहरवासियों को गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है। इस बदलाव से लोगों को उम्मीद है कि गर्मी का असर कुछ हद तक कम होगा।

गर्मी का प्रभाव लंबे समय तक रहने की संभावना

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अप्रैल की शुरुआत में ही इस प्रकार की गर्मी का होना इस बात का संकेत है कि इस बार गर्मी का असर पहले से ज्यादा तीव्र और लंबे समय तक रहेगा। हवाओं का रुख उत्तरी से बदलकर पश्चिमी हो गया है और आसमान साफ होने के कारण तापमान में वृद्धि हो रही है। इसके साथ ही, अगले कुछ दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

40 सालों में इंदौर की चंदन नगर रिंग रोड नहीं बनी, अब चौड़ाई घटा कर लिंक रोड बनाने की तैयारी

इंदौर। चंदन नगर क्षेत्र के रहवासियों को स्कीम-136 में प्लॉट भी अलॉट कर दिए थे। तब मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस सड़क का भूमिपूजन भी कर दिया था, लेकिन बाद में सरकार की तरफ से सड़क बनाने की अनुमति नहीं मिली और फिर सड़क कभी नहीं बन पाई।

चंदन नगर से एरोड्रम रोड तक रिंग रोड नहीं बन पाने के कारण अधूरी रही। अभी भी भारी वाहन बड़ा गणपति क्षेत्र से गुजरते हैं। मास्टर प्लान में इस सड़क की चौड़ाई 200 फीट है। अब वहां इतनी बसाहट हो चुकी है कि इतनी चौड़ी सड़क बनाना संभव नहीं है। इसे देखते हुए नगर निगम ने रिंग रोड के बजाए अब चंदन नगर लिंक रोड बनाने का फैसला लिया है।

अब 200 फीट के बजाए 60 फीट चौड़ी सड़क बनेगी। इसमें सिर्फ 150 से ज्यादा निर्माण ही हटेंगे। नगर निगम के बजट में इस सड़क को भी मंजूरी दी गई है, ताकि लोग धार रोड से एरोड्रम रोड तक सीधे आ जा सकें। फिलहाल कालानी नगर से विजयश्री नगर ब्रिज तक 60 फीट चौड़ाई में सड़क बनकर तैयार है, लेकिन उसके आगे सड़क की चौड़ाई कहीं 30 तो कहीं 40 फीट है। अब नगर निगम बाधक हिस्से हटाकर 60 फीट चौड़ी सड़क बनाना चाहता है।

2008 में हो चुका था भूमिपूजन

वर्ष 2008 में चंदन नगर रिंग रोड बनाने की कवायद हो चुकी थी। तत्कालीन कलेक्टर विवेक अग्रवाल चाहते थे कि यह सड़क बन जाए। उन्होंने चंदन नगर क्षेत्र के रहवासियों को स्कीम-136 में प्लॉट भी अलॉट कर दिए थे। तब मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस सड़क का भूमिपूजन भी कर दिया था, लेकिन बाद में सरकार की तरफ से सड़क बनाने की अनुमति नहीं मिली और फिर सड़क नहीं बन पाई। प्राधिकरण के अफसर नप्ती करने जाते थे तो उन्हें धमकाया जाता था। अब यह सड़क नगर निगम 18 मीटर चौड़ाई में बनाने की तैयारी कर रहा है। मास्टर प्लान में इस सड़क की चौड़ाई बदलने के लिए प्रस्ताव भी भेजने की तैयारी की जा रही है मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने कहा कि दो प्रमुख मार्गों की लिंक रोड के रूप में इस सड़क को बनाया जाएगा।

संपादकीय

ट्रंप की आर्थिक दादागिरी

ट्रंप की आर्थिक दादागिरी और मनमाने टैरिफ की वजह से अमेरिका सहित पूरी दुनिया में हाहाकार मचा है। लोग समझ नहीं पा रहे हैं कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आखिर चाहते क्या हैं, जिस तरह वो आएं बाएं शांय तरीके दूसरे देशों पर टैरिफ थोपते जा रहे हैं, उसे लगता है कि दुनिया में अब अमेरिका का कोई मित्र बचा नहीं है और अगर कोई बचा भी होगा तो चंद दिनों बाद वो भी ट्रंप टैरिफ की मार में होगा। कई देश ट्रंप की इस सनक भरी दादागिरी से निपटने के लिए अपनी अपनी रणनीति पर काम कर रहे हैं। भारत इस मामले में संयम और संजीदगी से काम ले रहा है। हालांकि ट्रंप की सुनामी के झटके उसे भी लग रहे हैं। लेकिन चीन, जो कि ट्रंप ने अव्वल निशाने पर है, ने ट्रंप की धमकियों के आगे झुकने से इंकार कर दिया है। बल्कि उसने तो यह भी कह दिया है कि वह अमेरिका से हर तरह से मुकाबले के लिए तैयार है। चीन ने अमेरिका पर अतिरिक्त 34 फीसदी टैरिफ आयद कर दिया है, जिससे राष्ट्रपति ट्रंप बुरी तरह बौखला गए हैं। उन्होंने चीन को चेतावनी दी है कि अगर 10 अप्रैल तक उसने यह अतिरिक्त टैरिफ वापस नहीं लिया तो अंजाम बुरा होगा। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि वास्तव में क्या होगा। इस बीच शेयर बाजार में सोमवार के 'ब्लैक मंडे' के बाद मंगलवार को एशिया के बाजार संभले हैं और सेंसेक्स चढ़ा है। यह सभी के लिए राहत की बात है। उधर चीन ने घरेलू बाजार को दुरूस्त करने तथा मित्र देशों के साथ व्यापार बढ़ाने पर जोर दिया है। रणनीति यही है कि अगर अमेरिका को निर्यात करने की जगह मित्र देश आपस में वस्तुओं का आयात निर्यात करें तो अमेरिका भो भारी झटका दिया जा सकता है। हालांकि इस रणनीति के परिणाम भी दिखने लगे हैं। इसी दौरान दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्थाओं चीन और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर 50 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी दी है। जवाब में चीन ने कहा है कि अगर अमेरिका ने चीनी सामान पर और 50 प्रतिशत टैक्स लगाया, तो वह जवाबी कार्रवाई करेगा। इससे आने वाले दिनों में ट्रेड वॉर और गहरा सकता है। चीनी मंत्रालय ने कहा कि चीन ने जो जवाबी कार्रवाई की है, उसका उद्देश्य अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और विकास हितों की रक्षा करना है। साथ ही, सामान्य अंतर्राष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था को बनाए रखना है। ये पूरी तरह से जायज हैं। अमेरिका का चीन पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी एक गलती पर दूसरी गलती है। यह एक बार फिर अमेरिका की ब्लैकमेलिंग की प्रकृति को उजागर करता है। चीन इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा। अगर अमेरिका अपनी मनमानी करता है, तो चीन अंत तक लड़ेगा। दरअसल ट्रंप आए दिन जो मनमानी कर रहे हैं, उससे उनकी उनकी वैश्विक अर्थव्यवस्था को फिर से संतुलित करने की कोशिश एक विनाशकारी व्यापार युद्ध को और बढ़ा सकती है। टैरिफ युद्ध के कारण टोक्यो से लेकर न्यूयॉर्क तक के शेयर बाजार अस्थिर हो गए हैं। अगर ट्रंप चीनी उत्पादों पर नए टैरिफ लगाते हैं, तो चीनी सामानों पर अमेरिकी टैरिफ कुल मिलाकर 104 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा। चीन अमेरिका के टॉप ट्रेडिंग पार्टनर्स में से एक है। वैसे ट्रंप के इस टैरिफ पागलपन के पीछे उनकी मंशा रोजगार और काम को अमेरिका के अंदर बनाए रखने की है, ना कि आप्रवासियों को बाहर रखने की। मगर, यह फ़ैसला अमेरिका को संरक्षणवाद के मामले में एक सदी पीछे ले जाने वाला है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता पत्रकारिता को मजबूत करेगी या कमजोर

नजरिया

डॉ. संतोष पाटीदार

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

'कृत्रिम बुद्धिमत्ता' (एआई) दुनिया भर की दशा और दिशा बदल रही है। इसे लेकर एक अलग दुनिया के दावे किए जा रहे हैं। 'एआई' के चौंकाने वाले आविष्कारों की जानकारी और उनके उपयोग के साथ इसके खतरों के कहानी-किस्से भी मीडिया के माध्यम से दुनिया को सुनने मिल रहे हैं। ऐसे में पत्रकारिता इससे कैसे दूर रह सकती है? 'एआई' का चमत्कार और पराक्रम देखकर लगता है कि यह प्रौद्योगिकी हौले-हौले पत्रकारिता को भी बदल देगी। क्या वास्तव में पत्रकारिता के साथ ऐसा होगा? इसे लेकर जितने प्रयोग, चिंतन, बहस और चर्चा दुनिया के उत्तरी गोलार्ध के विकसित कहे जाने वाले देशों में है, उतने दक्षिण की आधी दुनिया के विकासशील देशों में शायद नहीं है।

'ग्लोबल साउथ' के पत्रकारों में 'एआई' को लेकर असमंजस है। प्रौद्योगिकी के प्रयोग से जुड़े जोखिम और दायित्व, मीडिया प्रबंधन में नीतिगत उदासीनता, महंगे उपकरण, प्रशिक्षण का अभाव जैसे कारण 'एआई' पत्रकारिता की राह में बाधक है। तकनीकी विकास के इस दौर में यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले वर्षों में 'एआई' की दिशा बदलती है या नहीं और क्या 'ग्लोबल साउथ' या विकासशील देशों के पत्रकार भविष्य में अपने काम के लिए 'एआई' को एक संसाधन के रूप में अपनाएंगे या उससे जुड़े संभावित दायित्व और जोखिम के रूप में देखेंगे।

इस तकनीक को लेकर दुनिया भर में उत्सुकता तो बहुत है, लेकिन इसके प्रभाव के बारे में अधिकांश बहस या बातचीत विकसित देशों तक ही केंद्रित रही है। इस आधी दुनिया के दृष्टिकोण के आधार पर दुनिया भर में मान्यताएं बन रही हैं। इसके प्रयोग में वहां की पत्रकारिता भी प्रमुख रूप से आगे है। दुनिया में 'ग्लोबल साउथ' के देश कमजोर या बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था के साथ विकसित हो रहे हैं। ऐसे देशों में 'एआई' को लेकर मीडिया के दृष्टिकोण पर एक अध्ययन किया गया है। 'ग्लोबल साउथ' में अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, एशिया आदि महाद्वीपों के देश शामिल हैं।

'थॉमसन रॉयटर्स फाउंडेशन' (टीआरएफ) की एक रिपोर्ट, जो दुनिया के 70 से अधिक देशों के 200 से अधिक पत्रकारों के सर्वेक्षण के निष्कर्षों पर आधारित है, सामने आई है। इस रिपोर्ट के आधार पर अध्ययनकर्ता डमियन रेडक्लिप विस्तार से बताते हैं कि इस अध्ययन का उद्देश्य 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' की जानकारी और आशंका पर प्रकाश डालना है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 'एआई' का उपयोग किस तरह किया जा रहा है,

न्यूज़रूम के सामने क्या-क्या अनोखी चुनौतियाँ हैं और पत्रकारों, न्यूज़रूम के लीडरों, वित्तपोषकों और नीति-निर्माताओं के लिए इसके क्या निहितार्थ हैं?

इस रिपोर्ट के कुछ निष्कर्ष हैं : (1) 'एआई' को अपनाना व्यापक, लेकिन असमान है। सर्वेक्षण में 'एआई' प्रौद्योगिकी के लिए 'सतर्क आशावाद' पाया गया, एक ऐसी भावना जो शायद इस तथ्य को झुठलाती है कि वैश्विक-दक्षिण में 'एआई' को अपनाना महत्वपूर्ण है। 10 में से आठ से अधिक (81.7 प्रतिशत) पत्रकार अपने काम में 'एआई' उपकरणों का उपयोग करते हैं। 81 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि वे पहले से ही अपने काम में 'एआई' टूल का उपयोग करते हैं। इनमें से लगभग आधे (49.4 प्रतिशत) लोग प्रतिदिन 'एआई' का उपयोग करते हैं, जो दर्शाता है कि कितनी जल्दी यह उनकी कार्य-संस्कृति का हिस्सा बन गया है।

पत्रकार मुख्य रूप से कंटेंट का प्रारूप तैयार करने और संपादन, ट्रांसक्रिप्शन, तथ्यों की जांच और शोध के लिए 'जनरेटिव एआई' का उपयोग कर रहे हैं। 'चैटजीपीटी,' 'ग्रामरली,' 'ओटर' और 'कैनवा' जैसे उपकरण कई पत्रकारों के लिए आवश्यक हो गए हैं, क्योंकि वे समय बचाने और दक्षता बढाने की क्षमता रखते हैं, साथ ही उनके विचारों का दायरा और रचनात्मकता को बढ़ाते हैं। जैसा कि घाना के एक पत्रकार ने बताया, 'एआई ने मेरी पत्रकारिता को काफी हद तक बेहतर बनाया है। इसने मेरे शोध को सुव्यवस्थित किया है और मुझे जटिल डेटा का त्वरित और सटीक विश्लेषण करने में सक्षम बनाया है, विशेष रूप से 'एचआईवी' शोध और पर्यावरण रिपोर्टिंग जैसे क्षेत्रों में।'

(2) 'एआई' अपनाने में बाधाएं – प्रशिक्षण और नीतिगत समस्याओं के कारण 'एआई' की इस नई प्रौद्योगिकी या टेक्नोलॉजी तक पहुंच आसान नहीं होती, फिर भी, 'एआई' को लेकर सभी में उत्साह है। सर्वेक्षण में करीब 13 प्रतिशत पत्रकारों ने बताया कि उनके न्यूज़रूम में 'एआई' नीति है, हालांकि इसे अपनाने में अन्य बाधाओं का भी सामना करना पड़ता है। कई पत्रकारों ने 'एआई' उपकरणों तक सीमित पहुंच, उच्च लागत और प्रशिक्षण की कमी के साथ-साथ मार्गदर्शन की कमी जैसी बाधाओं की बात कही। कुछ लोगों के लिए, विशेष रूप से कम संसाधन वाले न्यूज़रूम में, 'एआई' को अपनाना चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। अक्सर ऐसा वित्तीय और तकनीकी बाधाओं के कारण होता है। सर्वेक्षण में सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह था कि लगभग 58 फीसदी 'एआई' उपयोगकर्ता स्वयं-शिक्षित हैं, यानी खुद के प्रयास से इस विधा को सीख रहे हैं, उनके नियोक्ताओं से उन्हें कोई औपचारिक प्रशिक्षण नहीं मिला है। यह निवेशकों के लिए एक अवसर प्रदान करता है। कई पत्रकारों ने 'एआई'-केंद्रित कार्यशालाओं, नैतिक दिशा-निर्देशों और न्यूज़रूम नीतियों की जरूरत की इच्छा जताई, जो उन्हें 'एआई' की क्षमता को जिम्मेदारी से प्रयोग करने में मदद कर सकती हैं। जैसा कि 'संयुक्त-अरब-अमीरात' के एक न्यूज़रूम मैनेजर ने बताया कि दर्शकों के विश्वास को बनाए रखने के लिए नीतियां आवश्यक हैं, विशेष रूप से 'एआई'-जनरेटेड सामग्री के मामले में। न्यूज़रूम में 'एआई' के उपयोग के लिए स्पष्ट नैतिक ढांचे, नियामक दिशा-निर्देश और पारदर्शिता जरुरी है। एशिया के पत्रकार मानते हैं कि 'एआई' पत्रकारिता के लिए बेहतर प्रौद्योगिकी है, लेकिन इसका उपयोग बहुत जिम्मेदारी से करना होगा।

भविष्य की ओर देखते हुए, विकासशील देशों के पत्रकार 'एआई' को एक ऐसे उपकरण के रूप में देखते हैं जो उनके काम को बेहतर बना सकता है - बशर्ते इसका उपयोग जिम्मेदारी से किया जाए। इस विरोधाभास को स्पष्ट करते हुए, भारत के एक पत्रकार ने कहा कि 'एआई' की गति, डेटा-विश्लेषण और दक्षता पत्रकारिता की पहुंच को बढ़ा सकते हैं, लेकिन यह गलत सूचना और पत्रकारिता की अखंडता के लिए जोखिम भरी चुनौतियां भी पेश करता है। विकासशील देशों में पत्रकारिता को लाभ पहुँचाने के लिए पत्रकारों, वित्तपोषकों, मीडिया विकास संगठनों और नीति निर्माताओं को संयुक्त रूप से 'एआई' प्रौद्योगिकी को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ना होगा।

पत्रकारिता की विविध आवश्यकताओं के लिहाज से उपयुक्त 'एआई' उपकरण बनाने के लिए मीडिया संगठनों, डेवलपर्स और निवेशकों के बीच साझेदारी को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। पत्रकारिता में इस प्रौद्योगिकी की पहुंच समान रूप से होना चाहिए। यह सुनिश्चित करना कि 'एआई' के लाभ बड़े, संसाधनों वाले न्यूज़रूम तक सीमित न हों। जैसे-जैसे 'एआई' को अपनाने की प्रक्रिया तेज होती जा रही है, पत्रकारों, न्यूज़रूम और नीति निर्माताओं को यह सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करना होगा कि प्रौद्योगिकी पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों को कमजोर करने की बजाय मजबूत बनाए। (सप्रेस)

ईर्ष्या से आया ख्याल, अब दुनिया है बेहाल

ट्रम्प का टैरिफ

ऋतुपर्ण दवे

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

ट्रम्प के मन में टैरिफ को लेकर आया विचार एकाएक नहीं है। उनके व्यवसाय को जापानियों से मिली चुनौतियों के चलते 1990 के दशक में की घटना है जिससे क्रुध्द ट्रम्प आज पलटवार कर रहे हैं। यह अर्से से उनके मन में पाला हुआ मंसूबा है। वास्तव में ट्रम्प के मन में जापानियों की प्रतिभा को लेकर पनपा ईर्ष्याभाव ही आज उनके टैरिफ की असल वजह है। वो मानते हैं कि जब मुक्त व्यापार अस्तित्व में नहीं था तब जापान, अमेरिका के बाजार में जबरदस्त पैठ बना रहा था। लेकिन अपने यहां व्यापार करना असंभव सा कर दिया था। बस यही टीस बिजनेसमैन ट्रम्प को घर कर गई और उनके मन में एक गांठ बन गई। हालांकि उसी दौर में उन्हें नगदी की जबरदस्त जरूरत हुई और मजबूरन जापान की ओर आस भरी निगाहों से देखने लगे। लेकिन ट्रम्प 1980 के दशक से ही इस बात से बखूबी वाकिफ थे कि मशहूर जापानी निवेशक रॉकफेलर अमेरिकी ब्रांड्स और संपत्तियों के अधिग्रहण का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इससे उनका नजरिया ऐसा बदला जो आज आयात पर टैरिफ के सच के रूप में सामने है। यहीं से उनके दिमाग में अमेरिका के राष्ट्रपति बनने का मंसूबा भी बना और वो लंबी रणनीतियों और विचारों को लोगों से सार्वजनिक मंच पर जाहिर भी करने लगे।

1987 में ट्रम्प की किताब 'ट्रंप- द आर्ट ऑफ द डील' में अमेरिकी व्यवसाय पर उनकी विस्तृत सोच के साथ मंशा भी झलकती है। लोकप्रिय द ओपरा शो के होस्ट ओपरा विनफ्रे के साथ भी तभी एक लाइव कार्यक्रम में साफ-साफ कहना कि अमेरिकी विदेश व्यापार नीति को वो कैसे सबसे अलग तरीके से संभालेंगे और इससे अमेरिका के लिए सही कीमत वसूलेंगे उनका रणनीतिक शो था। इतना ही नहीं ट्रम्प ने अपने विचारों को एक खुली चिट्ठी के रूप में अमेरिका के सर्वाधिक लोकप्रिय तीन समाचार पत्रों में भी बतौर विज्ञापन प्रकाशित करवाया जिसमें उनके एक लाख डॉलर खर्च हुए थे। मतलब उनका नजरिया पहले ही साफ हो चुका था। लेकिन यह भूलना चाहिए कि उनकी सोच और

वास्तविकता में तब और अब में काफी फर्क है। आज अमेरिका का सबसे बड़ा प्रतिद्वन्दी चीन है न कि जापान। 1990 के दशक के युवा रियल एस्टेट डेवलपर ट्रम्प की सोच आज भी वही है जबकि समय के साथ काफी कुछ बदल गया है। लेकिन ट्रम्प हैं कि मानते नहीं। बतौर राष्ट्रपति और व्यवसायी ऐसी सोच अंतर्राष्ट्रीय हितों के खिलाफ हो सकती है। जैसा कि झलक रहा है इससे अमेरिका में विदेशी व्यापारिक निवेश घटेगा जिसका अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन पर भी असर पड़ेगा।

सौ देशों की अमेरिकी 'डिस्काउंटेड रेसिप्रोकल टैरिफ' वाली सूची में भारत भी शामिल है जिस पर 26 प्रतिशत टैरिफ है जो कई एशियाई देशों की तुलना में कम है। भले ही भारत पर इसका प्रभाव अभी कम पड़े। लेकिन भविष्य को लेकर कोई गारंटी भी तो नहीं कि कब और कितना बढ़ जाए? इधर चीन ने भी अमेरिका पर 34 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। जिस पर तिलमिलाए ट्रम्प ने 9 अप्रेल तक इसे वापस नहीं लेने पर 50 प्रतिशत टैरिफ की धमकी दे रहे हैं। अगर अमेरिका अपने हिसाब से चलने की जिद करेगा तो चीन भी आखिर तक लड़ेगा।

इधर ब्लूमबर्ग की हालिया सूची बताती है कि ट्रंप के करीबी मस्क की कुल नेटवर्थ 300 अरब डॉलर के नीचे चली गई है। जनवरी 2025 से अब तक 135 अरब डॉलर यानी करीब 12 लाख करोड़ रुपये का नुकसान उठा चुके हैं। इसी सोमवार को अमेरिकी बाजार में आई गिरावट से मस्क को करीब 40 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ जबकि बीते हफ्ते दो दिन में ही मस्क के 31 अरब डॉलर डूब गए। इस तरफ ट्रम्प के अघोषित टैरिफ वार से विश्व में सबसे नुकसान उठाने वालों की सूची में मस्क 6वें क्रम पर आ चुके हैं। कुल मिलाकार आसार अच्छे नहीं है।

नए बजट में ग्रामीण विकास के लिए 1,88,754 करोड़ तथा किसान कल्याण के लिए बीते बरस की तुलना में 11 प्रतिशत ज्यादा यानी 1.71 लाख करोड़ रुपयों का बजट में प्रावधान बताता है कि हमारी अपने आर्थिक मोर्चों पर कैसी तैयारी है।

भले ही 02 अप्रैल 2025 को ट्रम्प ने अमेरिका का मुक्ति दिवस बता रहे हों। लेकिन जिस तरह से दुनिया भर के शेयर बाजार धराशायी हुए, उससे कुछ अलग ही समझ आ रहा है। ट्रम्प भले ही कहें कि हमारे करदाताओं को 50 से अधिक वर्षों से लूटा जा रहा है। लेकिन रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने वाला आदेश उनकी ईर्ष्या, खीझ और अजीब दूरगामी सोच ही दर्शाता है।

अब अमेरिकी प्रोडक्ट्स पर यूरोपीय यूनियने के टैरिफ के लिए 9 अप्रैल का इंतजार करना होगा, जिस पर मतदान होना है। यदि यह भी जस का तस जैसे रहा तो आसार और बिगड़ सकते हैं। पहले ही दुनिया भर के शेयर बाजार धड़ाम हो चुके हैं। खुद अमेरिका भी इसी से अछूता नहीं है।

ट्रम्प का अमेरिका में ही विरोध होने लगा है। उन्हे न केवल तानाशाह बल्कि अर्थव्यवस्था को तहस-नहस करने वाला सनकी तक कहा जाने लगा है। सभी 50 राज्यों में 150 संगठनों 1200 से ज्यादा प्रदर्शनों में हजारों का जुटना बताता है कि चिंता कितनी गंभीर है। 'हैंड्स ऑफ' नाम के इस प्रदर्शन में शनिवार को हजारों लोग जुटे। 2017 में महिला मार्च और 2020 में ब्लैक लाइव्स आन्दोलन के बाद ट्रंप का ऐसा भारी विरोध हो रहा है। असल में एलन मस्क का दखल भी अमरीकियों को पसंद नहीं आ रहा है। उन पर नौकरी में छंटनियों के मंसूबों सहित सत्ता हथियाने जैसे गंभीर आरोप लग रहे हैं। इधर भारत और खुद अमरीका सहित दुनिया भर के शेयर बाजारों में आज खुलते ही जबरदस्त तो कहीं ऐतिहासिक गिरावट देखी जा रही है। निश्चित रूप से शुभ संकेत नहीं है

व्यावसायिक हितों और तमाम दूसरे मामलों में सतर्क दुनिया ने एकजुट होकर ट्रम्प को जवाब देना शुरू कर दिया है जिससे वैश्विक ट्रेड वार की आशंका बढ़ गई है। काश ऐसा नहीं होता और ट्रम्प समझदारी और विवेक से काम लेते। दुनिया में कम से कम खुशहाल इंसानियत के लिए तो सौदेबाजी से बचा जाए। लेकिन ट्रम्प नहीं माने और बदली हुई परिस्थितियों में बाकी सभी एकजुट हो आपदा में अवसर तलाशने लगे तो कहीं अमेरिका ही हासिए पर न चला जाए? अच्छा होता कि इतना तो ट्रम्प समझ पाते!

आखिर हम किस मुकाम पर खड़े हैं?

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

राजनीति के वर्तमान स्वरूप ने आम नागरिकों के अंतर्मन में देश के प्रति अवधारणा को गहरे संशय में डाल दिया है। सीधे तौर पर देश के प्रति सकारात्मक या नकारात्मक सोच नागरिकों को अलग-अलग दल विशेष के खेमे के समर्थकों में बांट देती है। इसके चलते देश की स्थिति के प्रति तटस्थ दृष्टिकोण का कहीं कोई अर्थ ही नहीं रह गया है। सत्तापक्ष के समर्थक सत्तापक्ष की हर एक रीति नीति की मुक्तकंठ से सराहना करते नहीं अघाते तो प्रतिपक्षी खेमा विरोध के लिए विरोध करना अपने राजनीतिक धर्म के रूप में लिया करता हैं। ऐसी स्थिति में देश की वास्तविक तस्वीर स्पष्ट रूप से उभर कर नहीं आती। राजनीतिक दृष्टि के अनुसार ही देश की तस्वीर देखी जाने लगती है

अलग-अलग दृष्टिकोण से देश की स्थिति का आकलन केवल और केवल राजनीतिक आधार पर ही किया जाना गंभीर चिंता का विषय है। इसके चलते विशुद्ध रूप से गैर राजनीतिक वर्ग के नागरिक देश के प्रति जैसी भी अवधारणा रखते है, उसे राजनीतिक वर्ग द्वारा जमकर भुना लिया जाता है। वैसे देश की वास्तविक स्थिति को लेकर तमाम तरह के आंकड़े परोस दिए जाते है। लेकिन आंकड़ों का मायाजाल तो कुछ ऐसा होता है कि इससे जैसा चाहे वैसा सिद्ध किया जा सकता हैं। ऐसी स्थिति का परिणाम यह निकल कर आता है कि राजनीति के प्रति तटस्थ दृष्टिकोण रखते हुए भी किसी एक नतीजे पर आम नागरिक पहुंचाना चाहे, तो उस दृष्टिकोण का राजनीतिकरण होने से नहीं बचा जा सकता।

दरअसल राजनीति का क्षेत्र इतना व्यापक हो चला है कि इसकी घुसपैठ धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में भी होने लगी है। यहां तक कि रीति रिवाज और परंपराओं को भी राजनीतिक दृष्टि से भुना लेने के हर संभव प्रयास किए जाने लगे हैं। अधिकांश आयोजन जिनका कि दूर-दूर तक कोई राजनीतिक संबंध नहीं होता, उसे भी राजनीतिक दृष्टि से भुनाने के प्रयासों में कोई कसर बाकी नहीं रखी जाती। वैसे हर किसी बात को केवल और केवल राजनीतिक दृष्टि से ही नहीं तोला जाना चाहिए। लेकिन आमतौर पर अधिकांश राजनेता हर एक परिस्थिति में राजनीतिक समीकरण बैठाते हुए स्वार्थ सिद्धि की प्रक्रिया में तल्लीन नजर आते है।

आमतौर पर यह तर्क दिया जाता है कि चूंकि राजनेता भी समाज का ही एक अंग होते है। इसलिए वह राजनीति से इतर अपना कोई सामाजिक वजूद भी रखते ही है। लेकिन व्यवहार में देखा गया है कि विशुद्ध रूप से गैर राजनीतिक एकत्रीकरण में भी उसके राजनीतिक अर्थ निकाल लिए जाते हैं। चुनावी दौर में मतों के सामाजिक ध्रुवीकरण को भुनाने का बीते कुछ दशकों से चलन चल पड़ा है। निरंतर बढ़ती आबादी के चलते एकल मत की अपेक्षा सामूहिक मत का समर्थन पाने का भरपूर प्रयास रहा करता है। यही कारण है कि निमित्त चाहे जो हो, भारी जन समूह यदि है - राजनेता वहां उपस्थित देने का लाभ संवरण नहीं कर पाते। ऐसे में यह तथ्य स्थापित हो जाता है कि अमुक अमुक के साथ है।

अब तो अलग-अलग क्षेत्र के सितारों का भी व्यक्तिगत राजनीतिक रुझान रहा करता है। जिसके चलते राजनेताओं के स्वार्थ भी सधते है और सितारों को भी राजनीतिक संरक्षण हॉंसिल हो जाता है। आगे जाकर यह सिलसिला इनमें चोली दामन के साथ के रूप में दिखाई देता है। दावा यह किया जाता है कि हमारा लोकतंत्र निरंतर परिपक्वता को प्राप्त कर रहा है। लेकिन व्यवहार में इसके उलट ही कोई दृश्य दिखाई देता है। जिसमें मुख्य रूप से जन भावना को भुनाने के भरपूर प्रयास होते हैं। जिसके लिए तर्क नहीं गढ़े जाते अपितु कोई लहर या माहौल बनाने का प्रयास होता है। गरज यह कि हवा के रुख को अपनी ओर खींचने की प्रक्रिया अपनाई जाती है।

इन तमाम हालातों के चलते आप देश के बारे में कोई भी टिप्पणी कर दीजिए, तत्काल प्रभाव से यह मान लिया जाएगा कि आप राजनीतिक दृष्टि से किसके साथ खड़े हैं ! अब ऐसे में यदि किसी का राजनीति से दूर का भी वास्ता नहीं हो, तो भी उसके अभिमत के अनुरूप बहुत ही आसानी के साथ यह सिद्ध किया जा सकता है कि उसकी राजनीतिक दृष्टि क्या है ? और वह किस राजनीतिक विचारधारा का पोषक है ? यह स्थिति स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि आदमी की सोच का राजनीतिक ध्रुवीकरण हो गया है। राजनीति इस कदर हवा में घुल मिल गई है कि हर किसी क्षेत्र में राजनीति ही राजनीति है। राजनीति का यह सर्वव्यापीकरण कालांतर में हमें किस स्थिति की ओर ले जाएगा, यह विचारणीय है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) -विनोद तिवारी
कार्यकारी प्रधान संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

रिटायरमेंट के बाद कव्वा चला हंस की चाल

व्यंग्य

डॉ. लोकेन्द्र सिंह कोट

लेखक व्यंग्यकार हैं।

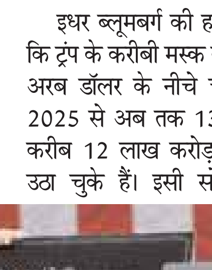

महीने की आखिरी तारीख आई और जंगल में भी रिटायरमेंट होना लाजमी था/ शेर, हाथी, घोड़े सब का समय आया तो रिटायर हुए और यथावत जीवन जीने लगे/ इसमें कोई खास बात नहीं थी लेकिन खास बात थी कि इन्हीं तारीखों में कौव्वा भी रिटायर हुआ/ जहाँ से कौव्वा रिटायर हुआ वहाँ फेयरवेल की जगह श्राद्ध हुआ/ बाकायदा विभाग ने तेरहवीं की और श्रद्धांजलि अर्पित की/ अपने विभाग में रहते कव्वे ने कभी काम नहीं किया और दिखाने के लिए हमेशा हंस की चाल चलता रहा/ वैसे तो हर दफ्तर में तीन टाइप के लोग होते हैं, चार कच्चे, चार सच्चे और चार लुच्चे/ कच्चों को थोड़ा पुचकारकर, प्रोत्साहित किया जा सकता है, सच्चों को किसी प्रकार का दबाव बनाने की जरूरत नहीं, वे हमेशा ईमानदारी से अपना काम करेंगे/ रही बात चार लुच्चों की तो सारा तंत्र, प्रशासन इन्ही चार मक्कार लुच्चों को संभालने में लगा है/

देखिए ना किसी पार्टी में ये लुच्चे ही सारी राजनीति ही बिगाड़ देते हैं/ कई बार तो पार्टी को कहना पड़ता है कि यह पार्टी की सोच नहीं है, यह उनकी व्यक्तिगत राय है/ ये लुच्चे ही होते हैं जो दफ्तर में बॉस का पारा चढ़ाए रखते हैं और कोप का भाजन अक्सर कच्चे और सच्चे बनते हैं/ दफ्तर में जितना काम लुच्चों का है वो भी बेचारे सच्चे और कच्चों को करना पड़ता है क्योंकि जैसे ही काम देने की बारी आती है, बॉस कह देता है, अरे भाई वो वैसे भी नहीं करेगा, आप तो सिंसियर हैं कर लेंगे...../

जंगल में भी शेर, हाथी, जिराफ सब अपना अपना काम करते हैं लेकिन कौव्वा हमेशा कामचोरी के लिए ही जाना जाता है और कांव-कांव करके प्रवक्ता बना फिरता है/ पूरे जीवनकाल में बगैर काम किए कैसे मुफ्त की सैलरी ली जाय कौवे से बेहतर कोई नहीं बता सकता है/ सालाना इंक्रीमेंट लोमड़ी की तरह जोड़ कर रखता है लेकिन उसके मुकाबले काम देखा जाय तो चंद गीदड़ों को पाल रखता है/ वे गीदड़ जहाँ जाते हैं वहाँ कुछ न कुछ बचा- खुचा मिल ही जाता है/ यह बोनस की तरह होता है/ इससे बॉस को भी डरा सकते हैं और आजकल के बॉस भी कौन कौव्वों के मुंह लगे, कहीं जाकर यह असत्य बोल देगा तो प्रवक्ता की वजह से इसकी ही सुनी जाएगी/ स्वयं कौव्वा प्रवक्ता के नाम पर बिखरी विष्ठा ही खाता है लेकिन दिखाता ऐसे है कि छप्पन भोग का सेवन कर रहा है/ आम लोग भी कव्वे को जानते है कि इस ब्लैक मैजिक से दूर ही रहा जाए नहीं तो कब यह ब्लैकमेलिंग में बदल जाएगा, कह नहीं सकते/

रिटायरमेंट के बाद बाकी सब तो वास्तव में रेस्ट कर रहे होते हैं लेकिन कौव्वा हमेशा की तरह हंस की चाल चलने लगता है क्योंकि उसे पता है कि हंस कैसे चलता है/ श्वेत वस्त्र धारण कर आदर्श और ईमानदारी का ज्ञान बांटते कव्वे को देखकर लोग आज भी अज्ञात भय से नमन करते हैं/ कौव्वा न तो अपने अगाड़ी किसको रखना चाहता है ना ही पिछाड़ी/ स्वयंभू बना कौव्वा लाख हंस की चाल तो चल लेता है लेकिन आम लोगों को तो पता होता है कि वह क्या है और कितना काला है/ यही कौव्वा नेता, साहित्यकार, पत्रकार सब बन जाता है लेकिन लोग भी समझ जाते है और समय समय पर उसके आने से पहले ही उसकी मट्टी पलीद कर चुके होते हैं/ जैसे कौव्वा हंस बन कर घूम रहा है वैसे ही लोग भी मुंह पर आप महान और पीठ पीछे .'.....' कहना सीख गए हैं/

आजकल आईटी और ए आई के जमाने में कौव्वों की कलई तो उतर रही है लेकिन चार कौवे मिलकर यदि लड़खड़ाते हुए चंद शब्द असत्य जारी कर देते है तो समाज आज भी उसी पर यकीन करता है/ वैसे कौवे एक नेक काम जरूर करते है कि वे जितनी गंदगी होती है अपने पास रख लेते हैं और समाज तुलनात्मक रूप से स्वच्छ होता है/ पहल कौव्वा मुंडेर से बोलता था तो लगता था कि कोई मेहमान आने वाले हैं लेकिन अब बोलता है तो लग जाता है कि यह रिटायरमेंट के बाद हंस की चाल है और मुसीबत ही आना है/ वैसे भी कौव्वों की जनसंख्या कम हो गई है और पर्यावरणविद परेशान है लेकिन सभी पता है कि कभी एक कव्वे ने दूसरे कव्वे को आगे नहीं बढ़ने दिया तो यह हालात बन गए हैं/ श्राद्ध पक्ष में खूब इंतजार करते हैं लेकिन विष्ठा के इच्छुक कौवे से उम्मीद ज्यादा करना बेमानी है।

स्मृति शेष

विवेक रंजन सिंह

स्वतंत्र पत्रकार एवं लोककला शोधार्थी

उपेक्षित समाज को विश्व मंच तक पहुंचाने वाले रामसहाय पाण्डेय

रामसहाय पाण्डेय का जन्म मध्य प्रदेश के सागर जिले के कनेरा देव गाँव में 1933 को हुआ था . वैसे उनकी उम्र पंचानवे साल से ज्यादा की बताई जा रही है मगर दस्तावेजों के अनुसार वो बानवे साल के हो चुके थे . रामसहाय पाण्डेय से पहली बार मुलाकात इलाहाबाद (वर्तमान का प्रयागराज) में हुई थी . उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिल्प मेला 2019 में वो अपने दल के साथ राई नृत्य प्रस्तुत करने आये थे . पहली बार उनके ऊर्जावान रूप को देखने का अवसर मिला था . मंच पर कमर में ढोलकिया और पैर में घुँघरू बांधकर जब वो कुलाटे मारते तो दर्शक दंग रह जाते . उनके इस दल में उनके साथ उनके पुत्र भी शामिल थे . सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज द्वारा ही उन्हें लोकविद सम्मान से भी नवाजा गया. 2019 में उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज के निदेशक इंद्रजीत ग्रोवर ने सरकार को पत्र लिखकर रामसहाय पांडेय को पद्मश्री सम्मान प्रदान करने की मांग भी की. उन्होंने कई बार इसके लिए अपने स्तर पर प्रयास किए जो 2022 में सफल भी हुआ.

जिस बेडिन समाज को भारत में एक समय तक आपराधिक जनजाति की श्रेणी में रखा जाता रहा, अंग्रेजों के समय से जो घुमंतू जीवन व्यतीत करते रहे और उन्हें सामाजिक रूप से भी सम्मान नहीं मिला, उस समाज की नाचनवारियों को विश्व के देशों में ले जाकर बड़ा मंच दिलाने वाले पद्मश्री राम सहाय पाण्डेय 08 अप्रैल, 2025 की सुबह दुनिया को अलविदा कह गये. उनकी उम्र नब्बे साल से ज्यादा थी और वो पिछले एक साल से अस्वस्थ चल रहे थे. राम सहाय पाण्डेय ने बुंदेलखंड कि लोकनृत्य विधा राई को जो ख्याति अंतर्राष्ट्रीय स्टार पर दिलाई, उसके लिए कला जगत हमेशा उनका ऋणी रहेगा.

रामसहाय पाण्डेय का जन्म मध्य प्रदेश के सागर जिले के कनेरा देव गाँव में 1933 को हुआ था. वैसे उनकी उम्र पंचानवे साल से ज्यादा की बताई जा रही है मगर दस्तावेजों के अनुसार वो बानवे साल के हो चुके थे. रामसहाय पाण्डेय से पहली बार मुलाकात इलाहाबाद (वर्तमान का प्रयागराज) में हुई थी. उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिल्प मेला 2019 में वो अपने दल के साथ राई नृत्य प्रस्तुत करने आये थे. पहली बार उनके ऊर्जावान रूप को देखने का अवसर मिला था. मंच पर कमर में ढोलकिया और पैर में घुँघरू बांधकर जब वो कुलाटे मारते तो दर्शक दंग रह जाते. उनके इस दल में उनके साथ उनके पुत्र भी शामिल थे. सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज द्वारा ही उन्हें लोकविद सम्मान से भी नवाजा गया। 2019 में उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज के निदेशक इंद्रजीत ग्रोवर ने सरकार को पत्र लिखकर रामसहाय पांडेय को पद्मश्री सम्मान प्रदान करने की मांग भी की. उन्होंने कई बार इसके लिए अपने स्तर पर प्रयास किए जो 2022 में सफल भी हुआ.

रामसहाय जी के लिए राई लोकविधा की दुनिया में कदम रखना आसान नहीं था. एक उच्च जातीय समाज में जन्म लेने वाला व्यक्ति कैसे एक उपेक्षित समाज की कला से जुड़ सकता है, शुरुआत में उनके परिवार को यह बिलकुल भी बर्दाश्त नहीं था. मगर कला की दुनिया में सामाजिक बंधन कभी भी बाधा नहीं बन पाते यह रामसहाय पाण्डेय ने सिद्ध कर दिया. आमतौर पर राई नृत्य को आज के समय में मंचों पर प्रस्तुत करने वाले कलाकार बेडिन समाज के ही हों यह जरूरी नहीं. अब तो इस विधा को एक सांस्कृतिक विधा के रूप में प्रस्तुत किया जाने लगा है, अब किसी को इस नृत्य की प्रस्तुति से सामाजिक उलेहनाओं की भी चिंता नहीं होती मगर यह रास्ता बनाने का काम रामसहाय पाण्डेय ने करीब सत्तर साल पहले ही किया जब सागर के एक बड़े मेले में उन्होंने उस समय कि मशहूर बेडिन कलाकार को अपनी ढोलकिया से मात दे दी. बस उसी समय से उनके भीतर इस लोककला को लेकर प्रेम जगा और उन्होंने ठान लिया कि समाज द्वारा उपेक्षित और तिरस्कृत इस बेडिन समाज को सम्मान दिलाकर ही रहेंगे. अंततः वह समय आया जब 2022 में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने उन्हें पद्मश्री सम्मान से नवाजा.

अभी कुछ महीने पहले ही कटनी के वरिष्ठ पत्रकार नन्दलाल सिंह के साथ रामसहाय पाण्डेय के गाँव कनेरा देव जाना हुआ था. हम आश्चर्यचकित थे कि वो इस लम्बी उम्र में भी चैन कि नींद सो रहे थे. उनके पूरे बाल सफ़ेद भी नहीं हुए थे. दांत भी काफी बचे हुए थी. पान और सुपाड़ी अभी भी चबा जाते थे. चेहरे पर हमेशा एक मुस्कान खिली रहती थी. बात करते करते हमेशा यह बात दोहराते कि एक बार बेडिनों के उस गाँव में जाना चाहता हूँ जहाँ से उन्होंने नृत्य की शुरुआत की थी.

संस्कृति मंत्रालय के मंचों पर रामसहाय पांडेय के कार्यक्रमों की गिनती नहीं है. भारत सरकार और राज्य सरकारों के संस्कृति विभागों द्वारा उनकी प्रस्तुतियां देश ही नहीं बल्कि देश की सीमा से बाहर फ्रांस, जापान, मिस्त्र आदि जगहों पर भी हो चुकी है. बकौल रामसहाय, राई नृत्य के प्रति समर्पण ने कभी भी उन्हें बढ़ती उम्र का एहसास नहीं होने दिया. कई बार वो गंभीर रूप से अस्वस्थ हुए मगर कला ने उन्हें जीने की ताकत दी. वो बताते थे कि पहले उनके समाज बिरादरी के लोग उनके इस काम को बहुत ही निम्न कार्य के रूप में देखते थे मगर जैसे जैसे उनको इस विधा से ख्याति मिलनी शुरू हुई, लोग साथ आते गए. रामसहाय की प्रस्तुतियों में हमेशा बेड़नी समाज की ही नृत्यांगनाएं रहीं. कनेरा देव गांव में उन्होंने कई बार राई की कार्यशालाएं भी आयोजित कराई और आज के लोगों को भी राई विधा से परिचित कराया.

उनके ढोलकिया की तान पर सिर्फ भारत ही नहीं पूरा विश्व झूमा. उनके घुंघुरू की आवाज़ ने पूरे विश्व को मोहित किया. बेड़नी समाज को मुख्य धारा से जोड़ने और उन्हें वाजिब सम्मान दिलाने के लिए उन्होंने जो त्याग किया, उसके लिए बेड़नी समाज हमेशा उनका ऋणी रहेगा. अपने सादगी भरे जीवन के साथ उन्होंने नौ दशक से ज्यादा की जो जिंदगी बिताई, वह आने वाली पीढ़ियों और समाज के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा.

आज नवकार मंत्र दिवस

डॉ. तेजप्रकाश पूर्णानंद व्यास

(एंटी एजिंग साइंटिस्ट एवं पूर्व प्राचार्य हैं)

नवकार मंत्र: विश्व कल्याण का अमोघ मंत्र

1. मंत्र का परिचय– नवकार मंत्र जैन धर्म का सबसे महत्वपूर्ण और पवित्र मंत्र है। यह किसी विशेष व्यक्ति या देवता की स्तुति नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धता का प्रतीक है। इस मंत्र के उच्चारण से आत्मिक शांति, ध्यान की गहराई और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है।

2. नवकार मंत्र–

णमो अरिहंताणं
णमो सिद्धाणं
णमो आयरियाणं
णमो उवज्झायाणं
णमो लोएस्सव्वसाहूणं
एसो पंच नमोक्कारो, सव्व पावप्पणासणो।
मंगलाणं च सव्वेसिं, पढमं हवई मंगलं॥

3. मंत्र का अर्थ –

णमो अरिहंताणं ? जो समस्त कर्मों का नाश कर चुके हैं, उन अरिहंतों को नमन।

णमो सिद्धाणं ? जो पूर्ण मोक्ष प्राप्त कर चुके हैं, उन सिद्धों को नमन।

णमो आयरियाणं ? जो जैन धर्म के आचार्य हैं, उन गुरुओं को नमन।

णमो उवज्झायाणं ? जो जैन शास्त्रों का प्रचार करने वाले उपाध्याय हैं, उन्हें नमन।

णमो लोएस्सव्वसाहूणं ? सभी साधुओं और संतों को नमन।

4. पूर्ण मंत्र का अर्थ– यह मंत्र सभी पापों का नाश करने वाला है। यह सर्वश्रेष्ठ मंगलकारी मंत्र है, जो आत्मा को शुद्ध करता है और मोक्ष की ओर अग्रसर करता है।

5. मंत्र का विश्व कल्याण में भावार्थ (सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय)– सभी जीवों के कल्याण का संदेश देता है। यह अहिंसा, करुणा, और आध्यात्मिकता को प्रेरित करता है। इसे जपने से मानसिक शांति और आत्मिक बल प्राप्त होता है।

यह किसी एक धर्म या संप्रदाय तक सीमित नहीं, बल्कि सार्वभौमिक शांति और सद्भावना का प्रतीक है।

6. मंत्र का आध्यात्मिक लाभ– मन को शुद्ध करता है और ध्यान को गहरा बनाता है। बुरी प्रवृत्तियों का नाश कर अच्छे विचारों को प्रोत्साहित करता है। आध्यात्मिक उन्नति और मोक्ष की ओर ले जाने वाला मंत्र है।

7. नवकार मंत्र और हैप्पी हार्मोन्स का संबंध–

नवकार मंत्र के जाप से शरीर में हैप्पी हार्मोन्स (Happy Hormones) जैसे डोपामिन, सेरोटोनिन, ऑक्सिटोसिन और एंडोर्फिन का स्तर बढ़ता है। ये हार्मोन न केवल मानसिक शांति देते हैं, बल्कि शारीरिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी हैं:

शारीरिक लाभ– तनाव और चिंता को कम करता है। हृदय गति को सामान्य रखता है और रक्तचाप संतुलित करता है। इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है। दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करता है।

मानसिक लाभ– सकारात्मक सोच को बढ़ावा देता है। ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ाता है। डिप्रेशन और नकारात्मक विचारों को दूर करता है।

आध्यात्मिक लाभ– आत्मशुद्धि और मोक्ष प्राप्ति की ओर ले जाता है। आंतरिक शांति और दिव्य आनंद की अनुभूति कराता है। विश्व कल्याण और सर्वजन हिताय की भावना को जाग्रत करता है।

8. विशेष तथ्य– नवकार मंत्र को 'पंच परमेष्ठी मंत्र' भी कहा जाता है। इसे दिन में कई बार जपने से आत्मिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से, इस मंत्र का उच्चारण ब्रेन वेव्स को शांत करता है और तनाव को कम करता है। शांति से बैठकर जाप करने से कोर्टिसोल हार्मोन (तनाव हार्मोन) का स्तर नियंत्रित रहता है।

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में र्टिसोल बढ़ जाने से हृदय रोग और उच्च रक्तचाप की समस्या बढ़ रही है। युवाओं में हार्ट अटैक के बढ़ते मामलों को देखते हुए नवकार मंत्र जाप एक जीवनदायक उपाय साबित है। यह न केवल तनाव कम करता है, बल्कि हृदय की कार्यक्षमता को भी सुधारता है।

9. नवकार मंत्र जाप से विश्व कल्याण–

जब कोई व्यक्ति नवकार मंत्र का जाप करता है, तो उसकी आंतरिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा पूरे वातावरण को प्रभावित करती है। यह न केवल व्यक्तिगत स्तर पर बल्कि सामूहिक रूप से भी समाज में शांति, सद्भावना और प्रेम को बढ़ावा देता है। नवकार मंत्र सभी धर्मों और जातियों से परे एक सार्वभौमिक संदेश देता है–' 'सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया। सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् दुःखभाग् भवेत्।।'

सभी सुखी होवें, सभी रोगमुक्त रहें, सभी मंगलमय के साक्षी बनें और किसी को दुःख का भागी न बनना पड़े।

नवकार मंत्र आत्मा को परमात्मा से जोड़कर संपूर्ण सृष्टि के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। यदि पूरी दुनिया इस मंत्र को अपनाए, तो समाज में हिंसा, घृणा और मानसिक तनाव को समाप्त किया जा सकता है। अतः आइए, इस दिव्य मंत्र को अपनाएं, स्वयं को शुद्ध करें और विश्व कल्याण में योगदान दें।

प्रकृति का नजारा

मुकेश नागर

(अमेरिका के शहर सिएटल से)

प्रकृति से प्यार यानी अमेरिका का चेरी ब्लॉसम

अमेरिका में चेरी ब्लॉसम का खिलना हमारे बसंत के मौसम से की जा सकती है। इस प्राकृतिक संयोग का अमेरिकी लोग भरपूर आनंद लेते हैं। इन फूलों को खिलते देख खुशियां मनाते है। यहां के लोग प्रकृति से असीम प्रेम करते हैं, इसलिए यहां की नदियों एवं झीलों में सदैव निर्मल बहता रहता है। क्योंकि, सभी लोग इन प्रकृति प्रदत्त संसाधनों का खास ख्याल रखते हैं।

अमेरिका में इस मौसम में चेरी के पेड़ पर खिलने वाले फूलों की तुलना हमारे के बसंत के मौसम से की जा सकती हैं। जैसे भारत में बसंत माह में प्राकृतिक सौंदर्य अपने यौवन पर रहता हैं, वैसे ही अमेरिका में भी लगातार तेज सर्द हवाओं के साथ हमेशा होने वाली छिटपुट बारिश के बाद पतझड़ से पूरी तरह खाली बिना फूल पत्ती के पेड़-पौधों में फूलों और पत्तियों के अंकुर फूटने के कुछ दिन बाद जब पेड़ों पर फूल पूरी तरह से खिल उठते हैं। सारे पेड़-पौधे नवीन पत्तियों से भर जाते है। अमेरिकावासी इस समय का बड़ी बेसब्री से इंतजार करते हैं। क्योंकि, इससे पहले सूर्य देवता के दर्शन बड़े दुर्लभ होते हैं। कभी कभार सूर्य देव बादलों की ओट से निकल कर कुछ ही देर में ही फिर से बादलों में छुप जाते है ऐसा लगता है कि जैसे सूर्य भगवान मौसम की ठंडक का मुआयना करने आए हों। ऐसे लगातार सर्द हवाओं के मौसम के बाद धीरे धीरे गुनगुनी धूप की अठखेलियां मन को सुकून देने का काम करती हैं।

ऐसे समय जब शनिवार या रविवार को धूप निकल जाए तो अमेरिका में बिना किसी कारण त्यौहार जैसा माहौल बन जाता है। हर कोई अपने घर से बाहर निकलकर सूर्य की किरणों से ओत प्रोत प्राकृतिक सौंदर्य और फूलों के श्रृंगार से सजे पेड़-पौधों का नजराना करता है। उन पर मध्यम मध्यम आते-जाते पवन के झोंके ऐसे लगते जैसे धरती माता के के चरण में पुष्प अर्पण करने आए हों। हर कोई ऐसे प्राकृतिक सौंदर्य को निहारने अपने

घर से निकलकर बाग-बगीचे घने पेड़ पौधों के समीप जाने की होड़ में लगा रहता है। इन रास्तों पर इन दिनों अधिक वाहनों की संख्या होने से ट्रैफिक एकदम धीमे चलता है। यहां ट्रैफिक के नियम कायदे कानून बहुत सख्त है। सभी उनका पालन करते हैं। सभी सिग्नल पर कैमरे लगे होते हैं और यह कैमरे चौबीसों घंटे काम करते हैं। इसलिए कोई भी ट्रैफिक रुल तोड़ने की कोशिश नहीं करता।

सौंदर्य देखने के लिए गाड़ी के लिए पार्किंग मिलना एक बड़ी चुनौती है। यहां पार्किंग के लिए भी स्थान और शुल्क निश्चित है। इन स्थानों के अतिरिक्त आप मनमर्जी से कहीं भी गाड़ी पार्क नहीं कर सकते। फिर भी सभी अमेरिकी हो या विदेशी बड़ी संख्या में लोग इस चेरी ब्लॉसम के सौंदर्य को देखने आते हैं। इस मौसम में चेरी के फूल पूरी तरह खिल उठते हैं और इसे चेरी ब्लॉसम कहते हैं। इस प्राकृतिक संयोग चेरी ब्लॉसम का यहां के लोग पूरा आनंद लेते हैं और इन फूलों को खिलते देख खुशियां मनाते है। यहां के लोग प्रकृति से असीम प्रेम करते हैं, इसलिए यहां की नदियों एवं झीलों में सदैव निर्मल जल कल कल करते बहता है। क्योंकि, सभी लोग इन प्रकृति प्रदत्त संसाधनों का खास ख्याल रखते हैं।

यहां रहने वाले लोग देशी हो या विदेशी सभी आत्म अनुशासन में रहकर यहां के सभी नियमों का पूरी तरह पालन करते हैं। यहां पेड़ पर फूलों का ख़ास अंदाज में खिलना, पौधों में अंकुर फूटना, सूरज का जमी पर धूप बिखेरना मंद मंद पवन के झोंकों का चलना इन सभी स्वाभाविक वातावरण का इंतजार पूर्वक पूरा आनंद लेते हैं। यह सब प्राकृतिक घटनाएं इनके लिए किसी उत्सव से कम नहीं है। यह सब घटनाएं साल में एक बार ही होती है, जिसका लोग वर्ष भर इंतजार करते हैं। पौधों में फूल पत्ती के अंकुरण को उत्सव की तरह मनाते है। फूलों को निहारने के लिए हरे भरे फूलों पत्तों से लदे पेड़ों के नीचे समय बिताकर अनोखे सुख का अनुभव करते हैं चेरी ब्लॉसम ही इनकी खुशियां है प्रकृति से प्रेम ही इसका आनंद है।

तपती दोपहरी में स्कूल आना-जाना कर रहे छोटे-छोटे बच्चे

40 डिग्री पर पहुंचा पारा, नहीं बदला स्कूलों का टाइम

संजय द्विवेदी, बैतूल। वर्तमान में तापमान 40 डिग्री के पार पहुँच गया हैं। सुबह से ही तेज तपन और उमस, गर्मी से लोगों का बुरा हाल हो रहा है। लेकिन स्कूलों के समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है, इस कारण बच्चों को तपती धूप में आना-जाना पड़ रहा है। जबकि नर्मदापुरम संभाग के होशंगाबाद और हरदा जिले में शाला संचालन के समय में परिवर्तन हो चुका है। परंतु बैतूल जिले में अभी तक शाला संचालन के समय में परिवर्तन नहीं हुआ है, जिससे स्कूलों में बच्चों को गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। बच्चे गर्मी से चटकती दीवारों के बीच बैठे रहते है, क्योंकि अधिकांश स्कूलों में बिजली तक नहीं, जहां बिजली है, वहां पंखे नहीं है, पंखे है भी तो बंद पड़े है। ऐसे में बच्चों को गर्मी में बैठकर पढ़ाई करनी पड़ रही है। कुछ स्कूलों के हालात तो ऐसे है कि जहां पर बच्चों को ठंडा पानी तक नसीब नहीं हो रहा और मासूम बच्चे जैसे-तैसे स्कूल समय काट रहे हैं। अभिभावकों का कहना है कि सरकारी स्कूलों में बच्चों को कोई सुविधा तक नहीं मिल रही, जो पीने का पानी वर्तमान में बच्चों को मिल रहा है, वह भी गर्मी के कारण गर्म हो जाता है और इसी पानी का सेवन बच्चों को करना पड़ता है। तेज धूप और गर्म पानी पीने से बच्चों की सेहत पर असर पड़ सकता है, लेकिन इस ओर जिम्मेदार अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे है। यहीं वजह है कि अभिभावक भी बच्चों को स्कूल भेजने से परहेज करने लगे है।

गर्मी से बच्चों का बुरा हाल- अप्रैल के दूसरे सप्ताह में ही गर्मी ने अपने तेवर दिखाना शुरू कर दिया है। इन तेवरों के चलते दिन के समय लोगों का गर्मी से हाल-बेहाल होने लगा है। दोपहर की धूप अब लोगों की सहनशीलता के बाहर हो गई है। आलम यह है कि तेज धूप के साथ-साथ चलने वाली गर्म हवाएं लोगों को लू के थपेड़ो का अभी से एहसास कराने लगी है। ऐसे में छोटे-छोटे बच्चे स्कूल के लिए रवाना होते है और भरी दोपहरी में घर लौटते है। जिससे बच्चों के बुरे हाल है। इसके बावजूद स्कूल के समय में परिवर्तन को लेकर अब तक कोई आदेश जारी नहीं हुए है।

कई स्कूलों में पीने के पानी की व्यवस्था नहीं- जिले के कई सरकारी स्कूल ऐसे है, जहां पंखे नहीं है। बिजली कनेक्शन नहीं है। ऐसे में बच्चों को तपते कमरों में बैठकर पढ़ाई करनी पड़ रही है। कई ग्रामीण क्षेत्र में बच्चों को स्कूल में ठंडा पानी तक नसीब नहीं हो रहा। बच्चे घरों से जो पानी लेकर स्कूल पहुंच रहे है, वह भी गर्मी के कारण गर्म हो जाता है और बच्चों को प्यास लगने पर यहीं गर्म पानी पीना पड़ रहा है। अभिभावकों का कहना है कि वर्तमान में झुलसा देने वाली गर्मी पड़ रही है। ऐसे में बच्चों के स्कूल समय में परिवर्तन किया जाना चाहिए, ताकि बच्चों को गर्मी से कुछ राहत मिल सके।

40 डिग्री पर पहुंचा दिन का तापमान- गर्मी ने रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। दिन का तापमान 40 डिग्री तक पहुंच गया है। आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोत्तरी की संभावना है। अभी यह हाल है कि सुबह से ही धूप चुभने लगती है। शाम 5 बजे तक तेज धूप बनी रहती है। दोपहर के समय तो गर्मी इतनी अधिक पडती है कि लोग घरों में दुबकने को मजबूर हो गये है। बिना कूलर, पंखे के रहना मुश्किल हो गया। लेकिन स्कूली बच्चों को इस गर्मी से राहत देने के लिए अब तक जिला प्रशासन ने कोई आदेश जारी नहीं किये है। हाल यह है कि स्कूल के बच्चे तेज धूप में स्कूल जाते है और उनके छुट्टी के समय भी धूप तीखी ही रहती है।

इनका कहना है -

बढ़ती हुई गर्मी को देखते हुए आगामी दिनों में जिला कलेक्टर से अनुमति लेकर शाला संचालन के समय में परिवर्तन किया जाएगा। संभवतः अगले सप्ताह से शाला संचालन के समय में परिवर्तन हो जाएगा।

- **डॉ. अनिल कुशवाह,** डीईओ, बैतूल

गर्मी में बच्चों को राहत देने स्कूल समय में बदलाव की मांग

मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने सौंपा ज्ञापन

बैतूल। भीषण गर्मी में बच्चों और शिक्षकों के स्वास्थ्य को लेकर मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने शिक्षा मंत्री के नाम पर अपर कलेक्टर राजीव नंदन श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि शाला संचालन का समय सुबह किया जाए ताकि बच्चों और शिक्षकों को तेज गर्मी से राहत मिल सके। ज्ञापन में दूसरी प्रमुख मांग यह रखी

गई कि जिन नवीन शिक्षकों की क्रमोन्नति के आदेश अब तक शेष हैं, उन्हें शीघ्र जारी किया जाए ताकि वे अपनी सेवाएं सुचारू रूप से दे सकें। इसके अलावा, लोक शिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश द्वारा सत्र 2025-26 के लिए जारी शैक्षणिक कैलेंडर में शिक्षकों को केवल 1 मई से 31 मई तक 31 दिन का ग्रीष्मकालीन अवकाश दिया गया है, जिसे बढ़ाकर 15 जून 2025 तक किए जाने की मांग भी ज्ञापन में की गई। ज्ञापन सौंपने वालों में राज्य कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष सचिन राय, भारतीय मजदूर संघ से पंजाबराव गायकवाड़, पुरानी पेंशन बहाली संघ रवि सरनेकर, जिला सहसंयोजक संजय व्यास, समग्र शिक्षक संघ से राजेंद्र प्रसाद साहू सहित जिले भर से अनेकों शिक्षक शामिल रहे। शिक्षकों का कहना है कि बच्चों और शिक्षकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन को तत्काल निर्णय लेकर सुबह स्कूल संचालन, क्रमोन्नति आदेशों का शीघ्र निष्पादन और अवकाश अवधि में वृद्धि करनी चाहिए।

पोषण पखवाड़ा का हुआ शुभारंभ

बैतूल। बाल विकास परियोजना बैतूल ग्रामीण के सेक्टर बैतूल 2 अंतर्गत ग्राम टेमनी में क्षेत्रीय पर्यवेक्षक अर्चना तिवारी द्वारा परियोजना अधिकारी निर्मल सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में पोषण पखवाड़े की शुरुआत की गई। पर्यवेक्षक अर्चना तिवारी ने पोषण पखवाड़ा के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित महिलाओं को जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025 में सातवें पोषण पखवाड़ा

कार्यक्रम 8 अप्रैल से 22 अप्रैल तक मनाया जा रहा है। जिसमें जीवन के प्रथम 1000 दिवस केन्द्रित गतिविधियां, पोषण ट्रैकर में लाभार्थी मॉड्यूल को लोकप्रिय बनाने के लिए व्यापक प्रचार, सीएमएएम माड्यूल के माध्यम से कुपोषण का प्रबंधन, बच्चों में मोटापे को दूर करने के लिए स्वस्थ जीवन शैली को अपनाने पर बल दिया जायेगा। इसी तारतम्य में टेमनी में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर मंगल दिवस का आयोजन किया गया। मोनिका देवेन्द्र बोहरपी की गोद भराई की गई। उपस्थित महिलाओं को अर्चना तिवारी व सीएचओ ममता बारंगे द्वारा जीवन के प्रथम 1000 दिवस के बारे में विस्तार से समझाया। महिला की गर्भावस्था से लेकर बच्चे के दो वर्ष की आयु तक विशेष देखभाल व स्तनपान व ऊपरी आहार आदि के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के बीपीएम एकनाथ ठाकुर, सीएचओ ममता बारंगे, एमपीडब्ल्यू धर्मराज पंवार, एएनएम पूनम पंवार, शकुंतला पांसे, आशा कार्यकर्ता रंजना दरवाई, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती सकुन बारस्कर, गीता बारस्कर, सहायिकाए और बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रही।

अपर कलेक्टर ने जनसुनवाई में नागरिकों की सुनीं समस्याएं

बैतूल। अपर कलेक्टर राजीव रंजन श्रीवास्तव ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं सुनी। इस दौरान उन्होंने अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया। जनसुनवाई में कुल 108 आवेदन प्राप्त हुए। अपर कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने अधिकारियों को जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का गंभीरता पूर्वक निराकरण किए जाने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में

आमला तहसील के ग्राम कन्नौज निवासी गुलाब दादड़े ने आवेदन देकर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिए जाने की गुहार लगाई। जिस पर अपर कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने आमला जनपद सीईओ को प्रकरण के निराकरण के निर्देश प्रदान किए। मुलताई तहसील निवासी सोना पवार ने संबल योजना का लाभ दिए जाने की मांग की। प्राप्त आवेदन पर अपर कलेक्टर में संबंधित अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मुलताई के ग्राम वालनी निवासी हीरा सिंह ने मजदूरी का पैसा नहीं मिलने की शिकायत जनसुनवाई में की।

दीवार लेखन के माध्यम से जल बचाने के लिए किया जा रहा जागरूक

बैतूल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव एवं कलेक्टर बैतूल के निर्देशन में जल गंगा संवर्धन अभियान 2025 के तहत अनेक गतिविधियां जल संरक्षण के क्षेत्र में चलाई जा रही है। जिसके अंतर्गत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद घोड़ाडोंगरी की नवांकुर संस्था नवोदित ग्राम उत्थान महिला एवं बाल विकास समिति घोड़ाडोंगरी द्वारा चोपना में चौपाल बैठकें, जल संरचनाओं का निर्माण, जन जागरूकता रैलियां, जल स्रोतों की साफ-सफाई गहरीकरण आदि अनेक गतिविधियां लगातार की जा रही है इसी श्रृंखला में दीवार लेखन के माध्यम से भी जल संरक्षण का संदेश गांव-गांव में दिया जा रहा है। इस संबंध में ब्लॉक समन्वयक संतोष राजपूत ने बताया कि चोपना सेक्टर से नवांकुर संस्था नवोदित ग्राम उत्थान महिला एवं बाल विकास समिति से डॉ.शांति रंजन सिकदर घोड़ाडोंगरी सेक्टर की संस्था से देवी प्रसाद जायसवाल सारणी सेक्टर से जतिन प्रजापति पाढर सेक्टर से पवन परते रानीपुर सेक्टर से वीरेंद्र बिलगैया के नेतृत्व में यह अभियान सक्रिय रूप से चलाया जा रहा है।

सेन महाराज की प्रतिमा चोरी मामला

आक्रोशित सेन समाज ने सौंपा ज्ञापन

बैतूल। सर्व सेन समाज कल्याण एवं विकास समिति द्वारा मुख्यमंत्री के नाम से कलेक्टर को सेन समाज के आराध्य संत श्री सेन महाराज की मूर्ति चोरो को गिरफ्तार कर कार्यवाही करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस संबंध में संगठन जिला अध्यक्ष रमेश बोरखड़े ने बताया कि काशी तालाब के समीप सेन पार्क मे स्थापित सेन समाज के संत श्री सेन जी महाराज की मूर्ति 26 मार्च की रात्रि में किसी अज्ञात असामाजिक व्यक्तियों चोरी कर ली गई है। इतने दिन बीत जाने के बाद भी आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। हम सभी सेन बधु इस घटना से अत्यंत

दुखी व आक्रोशित है और मांग करते है कि इस प्रकार के समाज विरोधी व्यक्तियो को शीघ्र अति शीघ्र गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दी जाए और सेन मंदिर का निर्माण करने की अनुमति प्रदान करने कि कृपा करे जिससे भविष्य में ऐसी घटना न हो। साथ ही ज्ञापन में मांग की गई है कि सेन जी महाराज पर छत सहित मंदिर बनाने की अनुमति प्रदान करें जिससे इस तरह की घटना की पुर्नवति न हो। इस अवसर पर अंजु सोनकपुरिया, सपना कुरावले, संजय नगदे, दिनेश देशकर, रामनारायण उच्चसरे सहित सैंकड़ों की संख्या में स्वजातीय बंधु मौजूद थे।

कांग्रेस ने किया मुख्यमंत्री का पुतला दहन, पुलिसकर्मी पानी डालकर बुझाते रहे पुतले को

हीरालाल गोलानी सोहागपुर। प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर सोना काण्ड के मुख्य अभियुक्त सौरभ शर्मा को जमानत मिलने के प्रदेश व्यापी आन्दोलन के तारतम्य में आज सोहागपुर में भी ब्लाक कांग्रेस एवं नगर कांग्रेस के तत्वावधान में मुख्य बाजार में मुख्यमंत्री के पुतले का दहन कांग्रेसी नेताओं एवं कार्यकर्ता ने किया।इस पुतले को दहन के बाद बचाने की असफल कोशिश की गई। यहां भाजपा सरकार के विरोध में जमकर नारेबाजी की गई। इसी क्रम में कांग्रेस नेताओं ने अनुविभागीय अधिकारी को कलेक्टर ने नाम ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में प्रदेश की चरमराती क़ानून व्यवस्था , नगरीय क्षेत्र में नजूल के पट्टे की लीज बढ़ाई जाए , सी एम मानिटिरिंग की राशि को कहाँ कहाँ खर्च की इसकी जांच की जाए? नगर परिषद द्वारा पलकमती नदी के दोनों तटों का पुनः सीमांकन करवाया जाए।

उसके बाद ही पुनः निर्माण कार्य हो । अभी केवल एक वार्ड अम्बेडकर वार्ड की तरफ़ ही जानबूझकर खुदाई की जा रही है । नदी का सीमांकन किए बिना निर्माण कार्य किया गया। ऐसी परिस्थिति में नगर परिषद सोहागपुर की मनमानी का विरोध किया जाएगा।इस अवसर ऋषभ दीक्षित जिला युवक कॉंग्रेस उपाध्यक्ष: पुष्पराज पटेल, आलोक जैसवाल,गजेंद्र चौधरी, ऋषभ दीक्षित, मोहन कहार,धर्मदास बेलवंशी,इरफान ख़ान, प्रांजल तिवारी,विक्रम रघुवंशी,कार्तिक शर्मा,अंकित पटेल,आदर्श जयसवाल,धर्मेश ठाकुर, जलज शर्मा, भास्कर मांझी,लियाकत अली, राजू मेहरा,देवांक सारते,मुईन ख़ान आदि उपस्थित थे।

प्रेमिका के पिता ने युवक को दिनदहाड़े मारी गोली

बैतूल/आमला। आमला ब्लॉक के गांव तिरमहु में दिन दहाड़े गोली चलने से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। बीते सोमवार को दोपहर में देवगांव निवासी दुर्गेश सरले किसी काम से ग्राम तिरमहू गया था। तिरमहू के नाहर मोहल्ले में बैठकर बातचीत कर रहा था। इसी दौरान चौपहिया वाहन से आरोपी श्यामलाल के साथ दो अन्य लोग भी आए और दुर्गेश सरले को कहा कि तू मेरी लडकी से बात करता है, इतना कहकर सीधे दुर्गेश पर आरोपी ने गोली चला दी। गोली की आवाज सुनकर जब ग्रामीणों ने देखा कि कही गोली चली और दौडे, तो आरोपी सहित अन्य लोग फरार हो गए और घायल युवक रोड पर गिर गया। मिली जानकारी के अनुसार गोली युवक के रीढ़ की हड्डी में फंसने से उसका प्राथमिक उपचार आमला में कर उसे बैतूल रेफर कर दिया गया। जहां से उसे भोपाल रेफर किया गया हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पूरी घटना प्रेम प्रसंग से जुड़ी हैं। घायल युवक का गांव की ही एक लडकी के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस रिश्ते को लेकर लडक़ी के परिजन में काफी नाराजगी है। सूत्र बताते है कि पूर्व में घायल युवक के खिलाफ नाबालिक लडक़ी ने मामला दर्ज कराया था। उस समय भी युवती ने परिजनों के दबाव में शिकायत दर्ज करवाने की चर्चा चल रही हैं। युवक के जेल से छूटने के बाद फिर से दोनों में नजदीकी बढी और जिसकी जानकारी पिता को लगने पर उन्होंने युवक पर जानलेवा हमला कर घटना को अंजाम दिया हैं। आरोपी श्यामलाल पर थाना आमला में आपराधिक प्रकरण दर्ज भी हैं। घटना स्थल पर एसडीओपी और थाना प्रभारी भी पहुँचे। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी हैं।

अभिभावकों को मिलेगा पुस्तक मेले का सीधा लाभ : सुधाकर पंवार

बैतूल। शिवाजी ओपन ऑडिटोरियम में आयोजित पुस्तक मेले का शुभारंभ भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार एवं नपाध्यक्ष पार्वती बारस्कर ने किया इस दौरान श्री पंवार ने कहा कि हमारी सरकार ने विद्यार्थियों में कौशल प्रधान रहे, इसलिए नई शिक्षा नीति लागू की। हमारी प्राथमिकता सबको शिक्षा, सस्ती शिक्षा है। पुस्तक मेले के नवाचार का सीधा फायदा अभिभावकों को होगा। जिन्हे इस मेले में सस्ती दरो पर पाठय पुस्तक उपलब्ध होगी। अशासकीय पाठशाला प्रबंधन अगर किसी छात्र या पालक को विशेष दुकान से पाठ्य पुस्तक खरीदने का दबाव बनाएंगे तो कडी कार्यवाही होगी। मेले के शुभारंभ पर श्रीमती बारस्कर ने कहा कि शिक्षा सरल हो पाठ्य पुस्तकों के साथ साथ विद्यार्थियों के लिए बाल साहित्य की भी पुस्तके अभिभावकों ने मेले के दौरान लेनी चाही है। स्कूल प्रबंधन भी अपने वाचनालय के लिए पुस्तक मेले से ही खरीदी करें तो यह सस्ती भी मिलेगी और पुस्तकों के प्रति विद्यार्थियों का लगाव भी बढ़ेगा। इस दौरान शिक्षा विभाग के आला अधिकारियों सहित अशासकीय शाला के संचालक, संस्था प्रमुख एवं पुस्तक विक्रेता मौजूद रहे।

विकासखंड स्तर पर पुस्तक मेले का हुआ शुभारंभ

बैतूल। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घोड़ाडोंगरी के परिसर में पुस्तक मेला का शुभारंभ रामजीलाल उइके (वरिष्ठ भाजपा नेता), राकेश अरोरा विधायक प्रतिनिधि, विवेक जैन भाजपा पदाधिकारी एसडीएम डॉ. अभिजीत सिंह,

तहसीलदार महिमा मिश्रा, विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय घोड़ाडोंगरी बीआरसी पीसी बोस एवं अन्य गणमान्य अतिथि की उपस्थिति में फीता काटकर मेले का शुभारंभ किया गया। बीआरसी पीसी बॉस द्वारा सभी अतिथियों पालक बच्चों और पुस्तक विक्रेता का स्वागत करते हुए पुस्तक मेला के उद्देश्य से सभी अतिथियों को अवगत कराया गया। एसडीएम अभिजीत सिंह द्वारा सभी पुस्तक व्यापारियों की जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर पुस्तकों पर भी डिस्काउंट देने पर चर्चा उपरांत मिनिमम 5 प्रतिशत डिस्काउंट देने पर सहमति बनाई गई। सभी वेंडर्स ने इस पर सहमति जताई गई। प्रथम दिवस में लगभग 125 पालक बच्चों के द्वारा पंजीयन किया गया तथा 6 वेंडर्स के द्वारा स्टॉल लगाया गया। पालकों और बच्चों के पुस्तकों पर मिल रही डिस्काउंट पर हर्ष व्यक्त किया गया।

पुष्य नक्षत्र पर 305 बच्चों को मिला स्वर्ण प्राशन का लाभ

टिकारी और गर्ग कॉलोनी में सफल आयोजन, 55 संस्थाओं में 4948 लोगों ने किया योगाभ्यास

बैतूल। 7 अप्रैल को पुष्य नक्षत्र के शुभ अवसर पर स्वर्ण प्राशन का सफल आयोजन किया गया। यह आयोजन संचालनालय आयुष विभाग मध्य प्रदेश शासन के आदेशानुसार, जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन में एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. योगेश चौकीकर के निर्देशन में किया गया। स्वर्ण प्राशन कार्यक्रम शासकीय जिला आयुर्वेदिक चिकित्सालय टिकारी और शासकीय आयुर्वेद औषधालय गर्ग कॉलोनी में आयोजित किया गया।

बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. योगेश चौकीकर ने बताया कि बदलते मौसम में बच्चों के रोग प्रतिरोधक तंत्र को मजबूत करने के लिए स्वर्ण प्राशन अत्यंत लाभकारी होता है। उन्होंने बताया कि स्वर्ण प्राशन में स्वर्ण भस्म को मधु, घृत एवं अन्य आवश्यक औषधियों के साथ मिलाकर सिद्ध किया जाता है, जो

बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक होता है। इस अवसर पर जिला चिकित्सालय टिकारी में 239 बच्चों को तथा गर्ग कॉलोनी में 66 बच्चों को स्वर्ण प्राशन दिया गया। इस तरह कुल 305 लाभार्थी बच्चों ने इस आयुर्वेदिक औषधि का लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में डाबर फार्मेसी का सहयोग प्राप्त हुआ, जिससे आयोजन को सफलतापूर्वक सम्पन्न किया जा सका। आगामी स्वर्ण प्राशन तिथि 3 मई को निर्धारित की गई है, जो पुनः पुष्य नक्षत्र के दिन आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के 75 दिन पूर्व की काउंटडाउन गतिविधियों के अंतर्गत जिले की समस्त आयुष संस्थाओं में योग दिवस का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। जिला आयुष अधिकारी के निर्देश पर सभी संस्था प्रभारियों ने अपने-अपने क्षेत्र के पंचायत परिसरों, गाँव की चौपालों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं स्कूलों में योगाभ्यास करवाया। इस योगाभ्यास में 55 संस्थाओं में कुल 4948 लोगों ने सहभागिता की और उन्हें नियमित योग अपनाने हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही लोगों को योग के स्वास्थ्य लाभों और मानसिक शांति प्रदान करने वाले प्रभावों की जानकारी दी गई।

केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने गैरतगंज में नवीन आईटीआई भवन और रमपुरा में 33/11 केव्ही उपकेन्द्र का किया लोकार्पण

जनता की सेवा ही ईश्वर की पूजा है- केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान

रायसेन (निप्र)। गैरतगंज में आयोजित शासकीय आईटीआई भवन का लोकार्पण सहित विभिन्न निर्माण कार्यो का लोकार्पण तथा भूमिपूजन कार्यक्रम का केन्द्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा कन्यापूजन और दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि जनता की सेवा ही ईश्वर की पूजा है। यह दृढ़ संकल्प है कि जनता के जीवन में कोई तकलीफ ना हो, इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार लगातार जनकल्याणकारी और विकास कार्य कर रही है।

केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने प्रधानमंत्री आवास योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना से गरीबों का पक्के मकान का सपना साकार हो रहा है। वर्षो से कच्चे मकान और झोपड़ी में रह रहे गरीबों के सिर पर अब पक्की छत है। कोई भी पात्र परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभ से छूटेगा नहीं, सर्वे करके सभी पात्र हितग्राहियों के पक्के मकान बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पिछले सात महीने में ही सांची विधानसभा क्षेत्र में 7385 हितग्राहियों के पीएम आवास स्वीकृत हुए हैं। केन्द्रीय मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना के सर्वे से छूटे नहीं।

जल जीवन मिशन का उल्लेख करते हुए केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक घर तक नल से शुद्ध पेयजल पहुंचे, इसके लिए जल जीवन मिशन के माध्यम से घर-घर में टोंटी से जल पहुंचाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने मंच से ही पीएचई तथा जल निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि नल जल योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन किया जाए जिससे कि प्रत्येक घर में नल से जल पहुंचे। केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। साल में एक लाख से अधिक लखपति दीदी बनेंगी। हर महिला को स्व-सहायता समूह से जोड़ा जाए। केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि गॉवों को गरीबी मुक्त बनाना है।

विकसित भारत में कोई गरीब नहीं होगा। 09 गांव आदर्श ग्राम बनाए जाएंगे। गांव के लोग तय करें कि किस तरह से गरीबी दूर की जा सकती है। कार्यक्रम में सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी ने कहा कि आज केन्द्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री तथा क्षेत्रीय सांसद श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा यहां शासकीय आईटीआई के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया गया है। इसमें नवीन व्यवसाय हेतु 6 ट्रेड का मुख्य भवन, 60 सीटर बालक छात्रावास, 60 सीटर बालिका छात्रावास, एक नग एफ टाईप आवास गृह, दो नग एच टाईप और चार नग आई टाईप आवास गृहों का निर्माण किया गया है। यह जिले की सबसे बड़ी आईटीआई है। इस आईटीआई से ना सिर्फ गैरतगंज बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को भी लाभ मिलेगा। उनका कौशल उन्नयन होगा, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। विधायक डॉ चौधरी ने कहा कि क्षेत्र में चहूँओर विकास की गंगा बह रही है। स्वास्थ्य, सड़क, पुल-पुलिया, स्कूल-आंगनवाड़ी भवन आदि का निर्माण हो रहा है और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कहूला में बांध बन रहा है, जिससे कि किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध होगा और भूजल स्तर में भी वृद्धि होगी। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा, पूर्व केबीनेट मंत्री श्री रामपाल सिंह, श्री राकेश शर्मा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी उपस्थित रहे।

इन विकास कार्यो का किया लोकार्पण और भूमिपूजन

केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान द्वारा गैरतगंज में 1263.42 लाख रू लागत से निर्मित शासकीय आईटीआई भवन का और ग्राम रमपुरा में 230 लाख रू लागत से निर्मित नवीन 33/11 केव्ही उपकेन्द्र का लोकार्पण किया गया। साथ ही गैरतगंज नगर में वार्ड क्रमांक-15 स्थित शमशान घाट में 9.68 लाख रू लागत से टीनशेड निर्माण कार्य, वार्ड क्रमांक-05 में 9.68 लाख रू लागत से टीनशेड निर्माण कार्य और 31.97 लाख रू लागत से शमशान घाट की बाउण्ड्री वॉल निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान तथा विधायक डॉ चौधरी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र सहित विभिन्न योजनाओं के हितलाभ, हितग्राहियों को प्रदान किए गए।

संक्षिप्त समाचार

बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण

विदिशा (निप्र)। जिला जेल विदिशा में बंदियों के स्वास्थ्य का परीक्षण हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिला जेल अधीक्षक श्री पीड़ी श्रीवास्तव ने बताया कि जिला चिकित्सालय के माध्यम से चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया इसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा 75 पुरुष कैदियों एवं 07 महिला कैदियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर रोगोपचार दवाईयां निःशुल्क प्रदाय की गई है।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने सलकनपुर में की मां विजयासन देवी की पूजा अर्चना

सीहोर (निप्र)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सपरिवार सलकनपुर पहुंचकर मां विजयासन देवी की विधिवत पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने देश प्रदेश की जनता के कल्याण, समृद्धि और सुख-शांति की प्रार्थना की।

कोक्लीयर इंप्लांट सर्जरी के बाद अब सुन और बोल पा रही है लक्ष्मी

सीहोर (निप्र)। आष्टा तहसील निवासी बालिका लक्ष्मी के माता पिता के चेहरे की खुशी उस समय देखने लायक थी जब उनकी 03 वर्ष की बेटी कुमारी लक्ष्मी प्रजापति कोक्लीयर इंप्लांट सर्जरी के बाद सुनने तथा बोलने लगी। दरअसल बालिका लक्ष्मी 3 वर्ष की होने के बाद भी बोल नही पाती थी। आरबीएसके दल द्वारा आंगनबाड़ी के भ्रमण के दौरान बच्ची का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण में पाया गया कि बच्ची न तो सुन पा रही और न ही बोल पा रही है। इसके पश्चात बालिका को आरबीएसके योजनांतर्गत सीहोर स्थित जिला शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र (डीईआईसी) में रेफर किया गया। डीईआईसी में ऑडियोलॉजिस्ट द्वारा बालिका की जांच की गई तथा बालिका को श्रवण यंत्र प्रदान किया गया। इसके साथ ही कई दिनों तक थेरेपी दी गई। इसके बाद भी कोई सुधार न होने पर बालिका का बाल श्रवण उपचार योजना के तहत मान्यता प्राप्त अस्पताल में रेफर कर निशुल्क कोक्लीयर इम्प्लांट ऑपरेशन कराया गया। कोक्लीयर इंप्लांट के सफल ऑपरेशन के बाद अब वह सुन भी पा रही है और बोल भी पा रही है।

पगारिया हाट उप स्वास्थ्य केंद्र एनक्यूएएस प्रमाणित

सीहोर (निप्र)। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) की टीम द्वारा आष्टा विकासखंड के पगारिया उप स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया गया। टीम द्वारा केंद्र में संचालित सेवाओं एवं संपूर्ण केंद्र की मानक जांच की गई। जांच के दौरान केंद्र में सभी स्वास्थ्य सेंवाएं गुणवत्तपूर्ण ढ़गं से संचालित पाई गईं। टीम द्वारा मानक जांच के पश्चात दोनों उप स्वास्थ्य केंद्रों को एनक्यूएएस प्रमाणित किया गया। सीएमएचओ ने बताया कि बुधनी में अनमोल पोर्टल 2.0 का विकासखंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी डीएचओ, डीपीएम, एमएनडी एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी कर्मचारियों को पोर्टल के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

जिसने अपनी क्षमताओं को पहचान लिया उसकी सफलता निश्चित : एसपी श्री शुक्ला

जिला शतरंज संघ द्वारा ओपन शतरंज प्रतियोगिता आयोजित

सीहोर (निप्र)। सीहोर जिला शतरंज संघ द्वारा स्व. श्रीमती रेखा तोमर की स्मृति में ओपन शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला ने चैस खेलकर किया। इस प्रतियोगिता में ग्वालियर, उज्जैन, नरसिंहगढ़ तथा सीहोर जिले के खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला ने कहा कि इससे बच्चों को एक ऐसा मंच मिल रहा है जहाँ वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर बहुत कुछ सीख सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत शतरंज की महाशक्ति के रूप में उभर कर सामने आया है। हमें गर्व है कि विश्व प्रसिद्ध शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद, आर प्रज्ञानानंद, डी गुकेश जैसे खिलाड़ी भारत से हैं। इससे सिद्ध होता है कि हमारे देश में मानसिक प्रतिभा की कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि दुनिया में जितनी भी बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियां हैं उनमें से अधिकांश का संचालन भारतीय ही कर रहे हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि हमें अपनी क्षमताओं को पहचानना चाहिए। जब हम अपनी क्षमताओं को पहचान लेते हैं तो निश्चित ही हमें सफल होने कोई नही रोक सकता। उन्होंने प्रतिभागियों को कड़े परिश्रम के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि खेल हो या कोई रचनात्मक क्षेत्र, शीर्ष पर पहुंचना है तो उसी अनुपात में कम से कम दस हजार घंटे की ईमानदार मेहनत करना चाहिए। उन्होंने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर एडिशनल एसपी श्रीमती सुनीता रावत ने खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ी बच्चों से कहा कि नेगेटिविटी से हमेशा दूर रहकर यदि सकारात्मक सोच रखेंगे तो सफलता निश्चित है।

इन प्रतिभागियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

ओपन शतरंज प्रतियोगिता में कुल सात राउंड खेले गए, जिसमें प्रत्येक जीत पर 1 अंक और ड्रॉ (बराबरी) पर 0.5 अंक निर्धारित किए गए थे। टूर्नामेंट में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में से 10 खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। ग्वालियर के रुपेश कांत ने सबसे अधिक 6.5 अंक प्राप्त कर पहला स्थान हासिल किया। इसी प्रकार सीहोर के अनंत जोशी ने 6 अंकों के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया तथा तीसरे स्थान सीहोर के ही शुभम विश्वकर्मा ने प्राप्त किया, जिन्होंने 6 अंक अर्जित किए। आदित्य उपाध्याय (सीहोर) और सपन राठौर (नरसिंहगढ़) ने 5.5 अंक लेकर चौथे स्थान पर संयुक्त रूप से अपनी जगह बनाई। हिमांशु रावत (सीहोर), पुष्पराज सिंह उमठ (कुरावर), सुनील चौरसिया (सीहोर), चिराग मालवीय (रेहटी) और राजवीर यादव (रेहटी) ने 5-5 अंक अर्जित कर शीर्ष 10 में अपना नाम दर्ज कराया। प्रथम स्थान के लिए 7 हजार, द्वितीय स्थान 5 हजार तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 3 हजार रुपये की सम्मान निधि, ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में 7 वर्ष से लेकर 73 वर्ष तक की उम्र के खिलाड़ियों ने भागीदारी की।

सातवां पोषण पखवाड़ा 8 से 22 अप्रैल तक

सीहोर (निप्र)। प्रदेश में व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर व्यवहार परिवर्तन के माध्यम से कुपोषण को कम करने के लिए पोषण अभियान चलाया जा रहा है। प्रत्येक वर्ष पोषण अभियान के तहत पोषण को जन आंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से पोषण पखवाड़ा मनाया जाता है।

इस पर सातवां पोषण पखवाड़ा 8 से 22 अप्रैल तक मनाया जाएगा। केंद्रीय महिला बाल विकास मंत्रालय द्वारा %जीवन के प्रथम 1000 दिवस% पोषण ट्रैकर में लाभार्थी मॉड्यूल को लोकप्रिय बनाने व्यापक प्रचार-प्रसार, समुदाय आधारित पोषण प्रबंधन मॉड्यूल के माध्यम से कुपोषण का प्रबंध तथा बच्चों में मोटापे को दूर करने के लिए स्वस्थ जीवन शैली को अपने पर बाल जैसे थीम पर केंद्रित विभिन्न गतिविधियों को आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं।

पोषण पखवाड़ा के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र सेक्टर, परियोजना एवं जिला स्तर की गतिविधियों में स्थानीय पोषण संसाधनों की को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण, सामुदायिक जागरूकता और पोषण संवेदनशील कार्यक्रम जैसे आयोजन किए जाएंगे। आंगनबाड़ी केंद्रों में दैनिक गतिविधियों की तिथिवार थीम आधारित कैलेंडर तैयार किया गया है।

सभी जिलों में पखवाड़ा के दौरान साइकिल रैली, पोषण रैली, प्रभात फेरी, गर्भवती महिलाओं और धात्री माता एवं किशोरी बालिकाओं के साथ पोषण ट्रैकर में हितग्राही मॉडल पर समूह चर्चा, कुपोषित बच्चों की स्वास्थ्य जांच, एनीमिया जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा। पोषण पखवाड़ा के दौरान लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आयुष, शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण, शहरी विकास सहयोग से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

आयुक्त महिला बाल विकास श्रीमती सूफिया फारूकी वली ने सभी जिला कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि पोषण पखवाड़ा के दौरान जिले में प्रत्येक स्तर पर इसका प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने कहा कि 8 अप्रैल को पोषण पखवाड़ा का शुभारंभ स्थानीय प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया जाये। और कार्यक्रम में उपस्थित सभी जन सामान्य को पोषण शपथ भी दिलाई जाए।

मातृ-शिशु स्वास्थ्य के सुधार में कारगर साबित हो रही मातृवंदना योजना

सीहोर (निप्र)। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा गरीबों के लिए कल्याण के लिए अनेकों जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है। प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना भी उन्हीं योजनाओं में से एक है। इस योजना के तहत गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जिससे वे गर्भावस्था और प्रसव के दौरान उचित पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकें एवं जन्म लेने वाले शिशु में पोषण संबंधी किसी भी प्रकार की कोई समस्या न हो।सीहोर निवासी श्रीमती गायत्री रायकवार भी उन महिलाओं में एक हैं, जिन्हें प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना का लाभ मिला है। श्रीमती गायत्री कहती हैं कि इस योजना के तहत मिली सहायता राशि से उन्होंने अपने और अपने शिशु के स्वास्थ्य की विशेष देखभाल की। श्रीमती गायत्री रायकवार ने बताया कि उन्होंने गर्भावस्था के दौरान आंगनवाड़ी केंद्र में अपना पंजीयन कराया और योजना के तहत उन्हें 5000 हजार रूपये की राशि प्रदान की गई। इस आर्थिक सहायता से श्रीमती गायत्री ने अपने पोषण पर विशेष ध्यान दिया, जिससे उनकी गर्भावस्था स्वस्थ रही और शिशु का जन्म सुरक्षित तरीके से हुआ। प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना सेश्रीमती गायत्री रायकवार जैसी अनेक माताएं लाभान्वित हो रही हैं। श्रीमती गायत्री रायकवार ने इस योजना के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश सरकार को धन्यवाद दिया है।

ग्राम चैपाल में जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यो चर्चा

विदिशा (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान की निहित बिंदुओं की प्राप्ति और जन-जागरूकता के संदेश का हर स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित कराने के लिए कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह द्वारा दिए गए निर्देशों पर अमल करते हुए ग्राम पंचायत में आयोजित चैपाल कार्यक्रमों में अन्य बिंदुओं के साथ साथ जल गंगा संवर्धन अभियान पर चर्चा कर जल संचय के कार्यो में अधिक से अधिक जन सहभागिता निभा कर क्षेत्रों के सभी जल स्त्रोतों की साफ-सफाई, रिचार्जेबल कार्य पर बल दिया जा रहा है। नटेरन तहसील के ग्राम बीलाखेड़ी में आयोजित रात्रि चैपाल कार्यक्रम में स्थानीय एसडीएम श्री अजय प्रताप सिंह पटेल ने ग्रामीणों को अभिप्रेरित किया और क्षेत्र में फसल कटाई एवं नरबाई में आग नहीं लगाने की समझाइश दी गई तथा भूसा गौ शालाओं में देने का आहवान किया है।

माचना नदी के दामादैयात घाट और खेलड़ी ग्राम में चलाया गया नदी स्वच्छता अभियान

जल संरक्षण को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं नागरिक: केंद्रीय मंत्री श्री उईके

बैतूल (निप्र)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान एवं अमृतं जलम अभियान के अंतर्गत बैतूल जिले में जल स्त्रोतों की स्वच्छता और संरक्षण के लिए जनभागीदारी से एक प्रेरणादायी पहल की गई।

जिले के जयप्रकाश वार्ड स्थित माचना नदी के दामादैयात घाट पर एक वृहद नदी स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों से लेकर आम नागरिकों तक सभी ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की। इस विशेष अभियान में भारत सरकार के केंद्रीय राज्य मंत्री एवं बैतूल सांसद श्री डीडी उइके, बैतूल विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल तथा नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बाई बारस्कर की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री श्री उईके ने जल संकट की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए नागरिकों से आह्वान किया कि वे जल संरक्षण को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं। अभियान के अंतर्गत सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से माचना नदी की सफाई की और जल स्त्रोतों को स्वच्छ बनाए रखने हेतु संकल्प लिया। इस अवसर पर अभियान परिषद बैतूल की सक्रिय नवांकुर संस्थाएं प्रदीपन, प्रत्याशा, गुरूकृपा युवा विकास समिति, मेंटोर्स, सीएमसीएलडीपी के छात्र, स्थानीय नागरिक, समाजसेवी कार्यकर्ता और प्रशासनिक अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

खेलड़ी में श्रमदान कर की नदी की सफाई

इसी कड़ी में बैतूल विकासखंड के खेलड़ी ग्राम में भी माचना नदी की स्वच्छता को लेकर एक विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व नवांकुर समिति ग्रीन टाइगर तथा प्रस्फुटन समिति खेलड़ी ने किया। ग्राम सरपंच, ग्रामीणों तथा अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं के सहयोग से गांव में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया और श्रमदान के माध्यम से नदी की सफाई की गई। ग्रामीणों को जल संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरणीय संतुलन के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। उन्होंने भी इस मुहिम को अपनाते हुए जल स्त्रोतों की रक्षा का संकल्प लिया।

प्रत्येक गरीब के पास होगा उनका अपना पक्का घर: केंद्रीय कृषि श्री चौहान

बेगमगंज जनपद के ग्राम सुनवाहा में केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने तीन करोड़ 54 लाख रू के विभिन्न निर्माण कार्यो का किया लोकार्पण तथा भूमिपूजन

रायसेन (निप्र)। केन्द्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य में बेगमगंज जनपद के सुनवाहा में लोकार्पण तथा शिलान्यास कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने कुल तीन करोड़ 54 लाख रू के विभिन्न निर्माण कार्यो का लोकार्पण तथा भूमिपूजन किया। इनमें 70 लाख रू के विभिन्न कार्यो का भूमिपूजन किया गया और दो करोड़ 84 लाख रू लागत के विभिन्न कार्यो का लोकार्पण किया गया।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा, सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, पूर्व केबिनेट मंत्री श्री रामपाल सिंह, श्री राकेश शर्मा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधी और अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार का यह प्रयास है कि देश के प्रत्येक गरीब परिवार के पास अपना खुद का पक्का घर हो, इसके लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से सरकार गरीबों के खुद के पक्के घर के सपने को साकार कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत वर्ष 2024-25 में सिलवानी विधानसभा क्षेत्र में 7638 नवीन आवास स्वीकृत किए गए हैं।

साथ ही 29292 आवास पंजीयन किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना में जिन पात्र नागरिकों के नाम छूट गए हैं, सर्वेक्षण कर उनके नाम जोड़ जाएंगे और उन्हें इस योजना का लाभ दिलाया जाएगा। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार द्वारा तेजी से विकास और जनकल्याण के कार्य किए जा रहे हैं। विभिन्न जल परियोजनाओं के माध्यम से किसानों के लिए सिंचाई का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के माध्यम से बहनों को धुंए से मुक्ति दिलाई गई। इसके साथ ही नलजल योजना के माध्यम से घर-घर नल के माध्यम से जल उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा से बड़ा कोई धर्म नही है। जनता की सेवा ही ईश्वर की पूजा है।

सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार स्वसहायता समूहों के माध्यम से सभी बहनों को लखपति बहना बना रही है।सिलवानी विधानसभा क्षेत्र में लखपति दीदी की संख्या 10500 है। कार्यक्रम ने पूर्व केबिनेट मंत्री श्री रामपाल सिंह ने भी सरकार द्वारा क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यों तथा योजनाओं के बारे में संबोधित किया। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ भी प्रदान किए गए।

जल गंगा संवर्धन अभियान तहत मुक्तिधाम में जीर्णोद्धार

विदिशा (निप्र)। जल की महत्वत्ता से हम सब भली-भांति परिचित हैं जल का कोई विकल्प नहीं है। इस लिए विदिशा जिले में कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए विशेष पहल की जा रही है। जिले के सभी जल स्त्रोतों को रिचार्ज कराने के लिए अभियान अंतर्गत वैकल्पिक व्यवस्था क्रियान्वित की जा रही है। जिले के सभी मुक्तिधाम स्थलों पर जल उपलब्धता बनी रहे इसके लिए निकायों व ग्राम पंचायतों में जन सहभागिता और भाग्यदारी के द्वारा कार्यो को कराया जा रहा है। जिसमें पौध रोपण के लिए अभी से स्थानों का चिन्हांकन कर तैयारियों को मुर्तरुप दिया जा रहा है। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में रविवार को लटेरी नगर परिषद के मुक्ति धाम में जनसहभागिता से जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों को किया गया है।

॥ मंदिरम् ॥ 78

जगन्नाथ मंदिर, रांची

भारत के रांची में स्थित जगन्नाथ मंदिर 17वीं शताब्दी का एक मंदिर है जो भगवान जगन्नाथ को समर्पित है। इसका निर्माण बड़कागढ़ जगन्नाथपुर के राजा ठाकुर अनी नाथ शाहदेव ने 1691 में करवाया था। 25 दिसंबर 1691 को पूरा हुआ, यह मुख्य शहर से लगभग 10 किमी दूर स्थित है। मंदिर एक छोटी पहाड़ी की चोटी पर है। रांची के जगन्नाथ मंदिर की उन्नीसवीं सदी की शुरुआत की एक तस्वीर पुरी, ओडिशा में प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर के समान, यह मंदिर उसी स्थापत्य शैली में बनाया गया है, हालांकि छोटा है, और पुरी में रथ यात्रा के समान है, इस मंदिर में आषाढ़ के महीने में एक वार्षिक मेला सह रथ यात्रा आयोजित की जाती है।

एमपी में भीषण गर्मी, 44 डिग्री के पार पहुंचा पारा

रतलाम और नीमच समेत 8 जिलों में लू का अलर्ट जारी

भोपाल। मध्यप्रदेश में गर्म हवाओं की वजह से तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। दिन के साथ रातों में भी गर्मी बढ़ रही है। सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात में अधिकांश शहरों में न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस के पार रहा। सबसे गर्म सागर रहा, यहां पारा 27.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। खंडवा-धार में 26.4 डिग्री, खरगोन में 25.4 डिग्री, रतलाम में 25 डिग्री, गुना में 24.9 डिग्री, नर्मदापुरम में 24.2 डिग्री, इंदौर-दमोह में 23.2 डिग्री, सतना में 23.1 डिग्री, रीवा में 23 डिग्री तापमान रहा। वहीं, भोपाल में 22.4 डिग्री, उज्जैन में 21.2 डिग्री, ग्वालियर में 21.4 डिग्री और जबलपुर में पारा 20.2 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। उज्जैन कलेक्टर ने जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूलों के समय में परिवर्तन किया है। अब नर्सरी से कक्षा 12वीं तक के सभी स्कूल सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक लगेंगे। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से तेज गर्मी का असर बना रहेगा। मंगलवार को श्योपुर, मुरैना, भिंड, शिवपुरी,

गुना, नीमच, मंदसौर और रतलाम में लू का अलर्ट है। 9 और 10 अप्रैल को भोपाल, इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर में भी हीट वेव चलने की संभावना है। 11 अप्रैल को प्रदेश के कई शहरों में हल्की बारिश हो सकती है। सोमवार को मध्यप्रदेश के सभी शहरों में सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। मौसम विभाग के अनुसार, नर्मदापुरम में 44.3 डिग्री और रतलाम में 44 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। सीजन में पहली बार भोपाल-इंदौर समेत सभी पांच बड़े शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री के पार रहा। भोपाल में 41.6 डिग्री, इंदौर में 40.6 डिग्री, ग्वालियर में 41.7 डिग्री, उज्जैन में 42 डिग्री और जबलपुर में 40.7 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। इंदौर, उज्जैन और चंबल संभाग में रात का तापमान सामान्य से 2-3 डिग्री ज्यादा यानी 23 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। पूर्वी नम हवाओं के कारण थोड़ी राहत के साथ भोपाल, जबलपुर, सागर, रीवा, शहडोल, ग्वालियर और नर्मदापुरम संभाग में तापमान सामान्य यानी 22-24 डिग्री बना रहेगा। इंदौर, ग्वालियर, चंबल, सागर, रीवा और शहडोल संभाग में तापमान सामान्य से बढ़कर 41 से 43 डिग्री सेल्सियस रहेगा। 2 से 3 दिन लू भी चल सकती है। इस दौरान बारिश होने की संभावना नहीं है, लेकिन वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से दक्षिणी हिस्से में बादल जरूर छा सकते हैं। उत्तर-पश्चिमी हवाओं के जोर पकड़ने के साथ इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, चंबल, सागर, रीवा, नर्मदापुरम संभागों में न्यूनतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। पूरे प्रदेश में दिन में अधिकतम तापमान 42 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। 2 से 3 दिन लू चल सकती है। हल्की बारिश होने की संभावना है। उत्तर-पश्चिमी हवाओं के लगातार जोर पकड़ने के साथ न्यूनतम तापमान पूरे प्रदेश में सामान्य से 3-4 डिग्री अधिक यानि 27 से 30 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा। दिन के साथ रातें भी गर्म हो जाएंगी। ग्वालियर, चंबल, सागर और रीवा संभाग में पारा 43-45 डिग्री जबकि इंदौर, उज्जैन-भोपाल सहित बाकी प्रदेश में 41 से 44 डिग्री सेल्सियस तापमान रह सकता है। बंगाल क्षेत्र में साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम की वजह से अप्रैल के आखिरी में 3 से 4 दिन तक लू का असर रह सकता है।

भावी पीढ़ी के लिए सहकारिता की गतिविधियां संचालित हो : सीएम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। प्रदेश में सहकारिता की पहुंच बढ़ाने और सतत विकास में सहकारिता के योगदान के लिए ग्राम और वार्ड स्तर पर गतिविधियों का संचालन किया जाए। सहकारी सोसायटियों के सुदृढ़ीकरण के लिए नवाचार और सूचना प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देते हुए सहकारिता के सेट-अप में कार्पोरेट संस्कृति को विकसित करने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'ज्ञान पर ध्यान' के मंत्र को साकार करने और विकसित भारत के लिए भावी पीढ़ी की सहकारिता का आधार तैयार करने के उद्देश्य से गतिविधियां संचालित की जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के क्रियान्वयन के लिए राज्य स्तरीय शीर्ष समिति की मंत्रालय में हुई बैठक को संबोधित कर रहे थे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रह्लाद सिंह पटेल, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत, सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा से छूटे किसानों को चिन्हित कर उन्हें सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राजस्व, किसान कल्याण तथा एवं विकास, पशुपालन एवं डेयरी और मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग समन्वित रूप से गतिविधियां संचालित करें। पैक्स के सशक्तिकरण और उन्हें अधिक समर्थ और सक्षम बनाने के लिए अन्तर्विभागीय समन्वय से कार्य किया जाए। शासकीय योजनाओं के कन्वर्जेंस में पैक्स के सदस्यों को प्राथमिकता दी जाए। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा भारत सरकार की पहल पर वर्ष-2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया गया है। 'सहकारिताएं एक बेहतर दुनिया का निर्माण करती हैं' इसकी थीम है, जो वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में सहकारी मॉडल की प्रभावशीलता को दर्शाती है। साथ ही यह वर्ष 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों को लागू करने के प्रयासों में सहकारिता के योगदान पर भी प्रकाश डालती है।

हरदा फैक्ट्री-ब्लास्ट पीड़ितों को रोका, लाठी से पीटने का आरोप

भोपाल में पुलिस ने बलपूर्वक बस से वापस भेजा, सीएम से मिलने आ रहे थे

भोपाल। भोपाल में हरदा पटाखा फैक्ट्री ब्लास्ट के पीड़ित परिवारों को पुलिस ने मिसरोद में रोक लिया। वे 150 किमी की न्याय यात्रा निकालकर सीएम डॉ. मोहन यादव से मिलने आ रहे थे। पीड़ित उचित मुआवजे की मांग को लेकर मुख्यमंत्री से मिलने पर अड़े रहे, तो पुलिस ने बल प्रयोग किया। पुलिस ने करीब 30 बुजुर्ग, महिला और बच्चों को बस में बैठाकर वापस भेज दिया। एक पीड़ित देवी सिंह ने बताया कि मुझे, मेरे बच्चे और मेरी पत्नी को बहुत मारा है। हम लोगों को बहुत गंभीर चोटें आई हैं। बता दें कि हरदा शहर के नजदीक स्थित पटाखा फैक्ट्री में 6 फरवरी 2024 को ब्लास्ट हुआ था, जिसमें 13 लोगों की मौत हुई थी। पीड़ित परिवारों का आरोप है कि इस घटना में उचित मुआवजा नहीं मिला है। यही बात बताने मुख्यमंत्री के पास जा रहे थे, पर मिसरोद में पुलिस ने रोक लिया और लाठी से पीटा। बलपूर्वक एक बस में बैठाकर हरदा वापस भेज दिया। लाठीचार्ज में बुजुर्ग-बच्चों को चोट भी आई है। पुलिस

थाना प्रभारी मनीष राज सिंह भदौरिया ने सभी आरोपों से इन्कार करते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में लाठीचार्ज नहीं किया गया। पीड़ितों को बस में सुरक्षित तरीके से वापस हरदा भेजा गया। पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस घटना से संबंधित वीडियो के साथ सवाल उठाए। उन्होंने लिखा, 'हरदा से भोपाल पदयात्रा कर आ रहे हरदा ब्लास्ट के पीड़ितों को पुलिस ने नर्मदापुरम रोड पर रोका। क्या मध्य प्रदेश में तानाशाही चल रही है, जहां आमजन अपनी बात मुख्यमंत्री से नहीं कर सकते?' इन पोस्ट के जरिए उन्होंने सरकार पर दबाव बनाए रखने का आग्रह किया कि पीड़ितों को उचित मुआवजा दिया जाए।

पीड़ित परिवारों की स्थिति और मांगें

6 फरवरी 2024 को हुए पटाखा फैक्ट्री ब्लास्ट में 13 लोगों की मौत हो चुकी है और सैकड़ों लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मकान भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं। पीड़ित परिवार अब तक उचित मुआवजे के अभाव में काफी संकट में हैं। पीड़ितों ने ये मांगें रखी हैं- तब से अभी तक हम उचित मुआवजे के लिए दर-दर भटक रहे हैं। जीवनयापन करना बहुत ही मुश्किल हो गया है। एनजीटी कोर्ट के अनुसार अभी तक जितना मुआवजा दिया गया है, वो मुआवजा हमारे लिए पर्याप्त नहीं है। शासन ने उस समय जो मदद दी थी उसको भी एनजीटी के मुआवजे से काट ली गई। हमारी मांग है कि 1500 रुपए स्क्वायर फीट के हिसाब से हमें मुआवजा दिया जाए। हमारे घर पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं घर में लगे नलकूप से लेकर घर के अंदर रखा संपूर्ण समान नष्ट हो गया है। जितनी राशि एनजीटी से मुआवजे के तौर पर मिली है वो काफी कम है। ब्लास्ट के समय जब आप हरदा आए थे, आपने पीड़ितों से वादा किया था कि सबको उचित मुआवजा दिया जाएगा। हम लोगों के सभी मकान रजिस्टर्ड है ब्लास्ट के दूसरे दिन मकानों का सर्वे किया था जिसमें यह बोला गया था कि यह मकान अब रहने लायक नहीं रहे हैं। 14 महीने में कलेक्टर ने 42 बार हमको कार्यालय में मीटिंग के लिए बुलाया और आश्वासन दिया कि तुम लोगों को मुआवजा मिल जाएगा लेकिन आज दिनांक तक हमें पूर्ण मुआवजा नहीं मिला। अभी कुछ दिन पहले ही गुजरात के बनासकांठा में पटाखा ब्लास्ट हुआ था जिसमें हरदा से काम करने गए मजदूरों की मौत हुई है। वो सभी मजदूर पहले हरदा पटाखा फैक्ट्री में मजदूरी करते थे। हम गरीब मजदूर लोग हैं कलेक्टर की रिपोर्ट के अनुसार हमारा 100 प्रतिशत नुकसान हुआ है हम शेल्टर हाउस में रह रहे हैं। एनजीटी के मुआवजे के बाद हमें वहां से भी बाहर निकाला जा रहा है लेकिन जितना हमें मुआवजा मिला है उसमें घर बनाना नामुमकिन है।

प्रदेश में बड़े पैमाने पर होंगे कर्मचारियों के प्रमोशन

शीघ्र ही मंत्रि-परिषद की बैठक में लिया जाएगा निर्णय

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के अधिकारी-कर्मचारियों की पदोन्नति शीघ्र होगी। इस बारे में राज्य शासन द्वारा शीघ्र ही महत्वपूर्ण निर्णय लिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के लगभग 4 लाख अधिकारी-कर्मचारी इस निर्णय से लाभान्वित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अपने सेवा काल में कई वर्ष से पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे अनेक अधिकारी-कर्मचारी सेवा निवृत भी हो गए। गत 8 वर्ष से पदोन्नति की रुकावट चली आ रही थी, जो अब समाप्त होगी। उन्होंने कहा कि पदोन्नति से संबंध में मुख्यमंत्री स्तर से 12 से अधिक बैठकों में विचार-विमर्श किया गया। मंत्रीगण से भी चर्चा की गई और पदोन्नति का रास्ता राज्य शासन द्वारा तलाशा गया है। राज्य शासन ने अनुभव किया की पदोन्नति का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शीघ्र ही मंत्रि-परिषद की बैठक में इस संबंध में निर्णय होगा। सुखद समाचार सभी अधिकारी-कर्मचारियों को शीघ्र प्राप्त होगा। मध्यप्रदेश शासन द्वारा अधिकारी- कर्मचारियों के हित में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समस्त शासकीय सेवकों को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

नागरिकों की खुशहाली और बेहतर जीवन के लिए प्रयासरत आनंद विभाग

भोपाल। नागरिकों की खुशहाली एवं बेहतर जीवन के लिए आंतरिक तथा बाह्य सकुशलता आवश्यक है। राज्य का पूर्ण विकास नागरिकों की मानसिक, शारीरिक एवं भावनात्मक उन्नति तथा प्रसन्नता से ही संभव है। नागरिकों के लिये इस प्रकार वातावरण तैयार करना होगा जो उनके लिए आनंद का कारक बनें। विकास का मापदण्ड भौतिक सुविधाओं पर आधारित होने के साथ-साथ नागरिकों के आनंद के आधार पर भी होना चाहिए। इस उद्द्देश्य से राज्य सरकार द्वारा आनंद संस्थान का गठन अगस्त 2016 में किया गया था। यह संस्थान, मध्यप्रदेश शासन के आनंद विभाग अंतर्गत संचालित है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी राज्य आनंद संस्थान श्री आशीष कुमार ने बताया कि अपनी स्थापना के समय से ही राज्य आनंद संस्थान, प्रदेश के नागरिकों की खुशहाली और मानसिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करने के लिए सतत कार्यरत है। संस्थान का यह दृढ़ विश्वास है कि सुख बाहरी प्रभाव नहीं, बल्कि एक आंतरिक अनुभूति और एक स्वाभाविक अवस्था है, जिसे सही दृष्टिकोण, जीवनशैली और मानसिक स्वास्थ्य के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। इसी दिशा में कार्य करते हुए, संस्थान अपने विभिन्न कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और आनंदम गतिविधियों से नागरिकों में सकारात्मकता और आत्मिक आनंद की भावना विकसित करने का प्रयास कर रहा है। राज्य आनंद संस्थान द्वारा विगत माह भोपाल में एक नेशनल सेमिनार ऑन हैप्पीनेस का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य और खुशहाली से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर गहन चर्चा करना था। इस सेमिनार में देश के प्रमुख मनोवैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, समाजशास्त्रियों और नीति निर्माताओं को आमंत्रित किया गया।

2 लाख 47 हजार 377 किसानों से 21 लाख मीट्रिक टन से अधिक हुई गेहूं खरीदी

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर प्रदेश में अभी तक 2 लाख 47 हजार 377 किसानों से 21 लाख 36 हजार मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है। किसानों को उपार्जित गेहूँ का भुगतान भी लगातार किया जा रहा है। अभी तक लगभग 4000 करोड़ रूपये का भुगतान किसानों को किया जा चुका है। गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये है और राज्य सरकार द्वारा 175 रूपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है। इस तरह से गेहूँ की खरीदी 2600 रूपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है। किसान गेहूँ उपार्जन के लिये 9 अप्रैल तक पंजीयन करा सकते हैं।

रोता रहा वो, बिलखती रही पत्नी...

गुना में आदिवासियों की जमीन पर चला बुलडोजर

भोपाल। बीजेपी कार्यालय निर्माण के लिए आदिवासियों की जमीन पर बुलडोजर की कार्रवाई का मामला गरमा गया है। इस मामले में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह भी कूद पड़े हैं। दरअसल मोहन यादव सरकार की कैबिनेट ने प्रस्ताव पारित करते हुए गुना में भाजपा कार्यालय निर्माण के लिए सरकारी जमीन आवंटित की है। बीजेपी को जमीन का स्थाई पट्टा दिया गया है। उक्त सरकारी जमीन पर नैनकराम भील और उसके परिवार के सदस्य जमीन पर वर्षों से काबिज थे। पार्टी कार्यालय के निर्माण के लिए शासन ने 3110 वर्ग मीटर यानी डेढ़ बीघा जमीन का आवंटन किया है। उक्त जमीन की रजिस्ट्री 'बीजेपी नई दिल्ली' के नाम पर की गई है। बीजेपी ने उक्त जमीन की एवज में शासन को 1,51,29,420/- करोड़ अदा किए हैं। जिसका रजिस्ट्री शुल्क 14 लाख रुपए निर्धारित किया गया था। सरकारी जमीन के आवंटन के लिए गुना कलेक्टर ने मप्र शासन को पत्र लिखा था ,जिसके बदले में राजस्व विभाग द्वारा प्रकरण को तैयार करते हुए कैबिनेट में प्रस्तुत किया गया। मोहन सरकार की कैबिनेट ने उक्त प्रकरण की अनुशंसा करते हुए जमीन आवंटन की स्वीकृति प्रदान कर दी। हालांकि जिस सरकारी जमीन को भाजपा कार्यालय के लिए आवंटित किया गया है, उसके ऊपर पिछले 5 दशकों से आदिवासी परिवार काबिज था।

जमीन के हिस्से पर पीएम आवास भी स्वीकृत- कब्जे के कुछ हिस्से पर लाखन सिंह भील के परिवार को प्रधानमंत्री आवास भी स्वीकृत किया गया है। बची हुई सरकारी जमीन पर नैनकराम भील कब्जा कर के रह रहा था। इसी कब्जे को हटाने के लिए प्रशासनिक अमले ने बुलडोजर से कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण को हटा दिया। अतिक्रमण हटाने के दौरान एक 80 वर्षीय बुजुर्ग आदिवासी महिला को खदेड़कर पुलिस कस्टडी में रखा गया। महिला रोटी बिलखती रही लेकिन पुलिस और प्रशासन की सख्ती के आगे उसे मदद नहीं मिली। अतिक्रमण हटाने के दौरान अन्य आदिवासियों को भी नजरबंद किया गया। सरकारी जमीन पर काबिज नैनकराम भील ने बताया कि वो पिछले 50-60 साल से जमीन पर काबिज है। नगरपालिका में कब्जे का टैक्स भी जमा कर रहा था। कल ही नोटिस दिया और आज कार्रवाई कर दी। क्या शासन अंधा है,ये कैसा न्याय हुआ! वहीं विवादित भूमि पर प्रधानमंत्री आवास बना कर रह रहे नैनकराम के बेटे लाखन सिंह ने बताया कि उसने प्रधानमंत्री आवास का निर्माण सरकारी जमीन पर कर लिया है। परिवार के साथ कई सालों से इस जमीन पर काबिज है, जिसका टैक्स भी वह भर रहा था। पूर्व सीएम और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा कि जो आवासहीन गरीब परिवार शासकीय भूमि पर आवास बना कर रह रहे हैं, उन्हें वहीं विस्थापित कर पट्टे दिए जाएं। मेरा गुना कलेक्टर से अनुरोध है कि उन्हें वहीं आवास के पट्टे जारी किए जाएं। यदि वह संभव नहीं है तो उन्हें जब तक वैकल्पिक भूमि आवंटित कर PMAY के अंतर्गत राशि आवंटित नहीं की जाती है, वहां से ना हटाया जाए। बीजेपी जिलाध्यक्ष धमेंद्र सिकरवार ने कहा कि कोई भी अतिक्रमण हो उसे जरूर हटाया जाना चाहिए। उक्त जमीन को कैबिनेट में पास करने के बाद विधिवत तरीके से रजिस्ट्री की गई है। लेकिन दिग्विजय सिंह जैसे लोग जिनकी खुद की जमीन खिसक रही है वो आदिवासियों के नाम का सहारा लेते हैं। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने बताया कि जिस सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाया गया, वो बीजेपी कार्यालय के निर्माण के लिए अलॉट की गई है। शासकीय जमीन के आवंटन के लिए प्रस्ताव भेजा गया था, जिसे शासन द्वारा स्वीकृत किया गया। बहरहाल, सरकारी जमीन पर भाजपा कार्यालय निर्माण का मुद्दा अब गरमा गया है। कांग्रेस और बीजेपी के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई है। लेकिन कार्यालय निर्माण से पहले सरकारी जमीन पर काबिज आदिवासी परिवार को जिस तरह से बेदखल किया गया उसे लेकर लोगों में नाराजगी है।

प्रधानमंत्री मोदी 11 अप्रैल को आएंगे आनंदपुर धाम

केंद्रीय मंत्री अमित शाह इस माह दो बार आएंगे मध्यप्रदेश

केंद्रीय मंत्री गडकरी 10 अप्रैल करेंगे लोकार्पण-भूमि-पूजन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 11 अप्रैल को अशोकनगर जिले की ईसागढ़ तहसील स्थित श्री आनंदपुर धाम पधार रहे हैं। केंद्रीय गृह तथा सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह का भोपाल में 13 अप्रैल को और 17 अप्रैल को नीमच में आगमन हो रहा है। उनकी उपस्थिति में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और दुग्ध संघ के बीच रवीन्द्र भवन में अनुबंध पर हस्ताक्षर होंगे, साथ ही प्रदेश में जारी सहकारिता गतिविधियों की समीक्षा भी की जाएगी। इसी प्रकार 17 अप्रैल को केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह का नीमच दौरा भी प्रस्तावित है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी धार जिले के बदनावर से 10 अप्रैल को प्रदेश की विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण और भूमि-पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि 12-13-14 अप्रैल को दिल्ली के लाल किला प्रांगण में आयोजित विक्रमोत्सव के अंतर्गत सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य की प्रस्तुति होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंत्रि-परिषद के साथी इस कार्यक्रम में सहभागिता कर आयोजन की गरिमा बढ़ाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि केंद्रीय सड़क और परिवहन मंत्रालय द्वारा प्रदेश को 4 हजार 303 करोड़ से अधिक की सौगातें मिली हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण के अंतर्गत 4 कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसमें 1227 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला 28.5 किलोमीटर लंबा ग्वालियर पश्चिमी बायपास, 1426 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला संदलपुर- नसरूल्लागंज बायपास, 330 करोड़ रुपए लागत का राहतगढ़ बरखेड़ी बायपास और 688 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला सागर बायपास शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मंदसौर, दमोह, मुरैना और नरसिंहपुर में इस वर्ष एग्रोविजन का आयोजन किया जाएगा। इसमें कृषि, कृषि अभियांत्रिकी, उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण, कृषि विश्वविद्यालय, दुग्ध महासंघ, सहकारिता, पशुपालन और पंचयत एवं ग्रामीण विभाग सहभागिता करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को उनके उपार्जन का सही दाम दिलवाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। चना, मसूर, सरसों, तुअर और गेहूं का उपार्जन आरंभ कर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में न्यूनतम समर्थन मूल्य व बोनस मिलाकर 2600 रूपए प्रति क्विंटल की दर पर गेहूं उपार्जित किया जा रहा है। अब तक 21.36 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन हो चुका है और 2 लाख 49 हजार किसानों को 4 हजार 12 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। गेहूं का उपार्जन 5 मई तक चलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मसूर, सरसों, तुअर उपार्जन के लिए जारी गतिविधियों की भी जानकारी दी।